METRO NEWS

02nd March,2023

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
1	Free Press	Bhopal	01.03.2023	03	Metro, sport complex, industrial corridor, roads in Bhopal & Indore	Neutral

03 BHOPAL CITY
BHOPAL | THURSDAY | MARCH 2, 2023 www.freepressjournal.in

Metro, sport complex, industrial corridor, roads in Bhopal & Indore

OUR STAFF REPORTER
city.bhopal@fpj.co.in

Focus on Bhopal and Indore has been major highlight of the State budget for 2023-24. A sum of Rs 137 crore has been allocated only for Bhopal for Bhopal gas relief and rehabilitation covering medical treatment and others for gas victims. There are 5 lakh gas victims in Bhopal and the budgetary allocation for their medical treatment and rehabilitation is a major move.

Similarly, Rs 710 crore has been allocated for metro Rail in Bhopal and Indore. Rail metro project will get major boost with this allocation.

Laying thrust on Indore-Pithampur Economic Corridor, the Budget speaks about Multimodal Logistics Park being developed in 1400 hectares of land, which will boost the industrial development in the area.

Rs 25 crore has been allocated only for road maintenance in Budget in Bhopal and Indore. Recently, Chief Minister Shivraj Singh Chouhan had launched Kayakalp Yojana and released fund for road maintenance according to population of cities.

Budgetary allocation has been made for International Sports Complex and Sports Science Center in Bhopal which will develop Bhopal as sports capital as well. It was one of main demands of Bhopal Chamber of Commerce and Industries (BCCI) for promotion of sports in Bhopal. At the health front, Bhopal and Indore will also be benefited with increase of MBBS and PG (medical) seats.

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
02	Dainik Jagran	Bhopal	02.03.2023	03	मेट्रो प्रोजेक्ट के साथ ही फन्डिंग ने रफ्तार पकड़ी, इस बार मिलेंगे 710 करोड़ रुपये	Neutral

राजधानी जागरण

दैनिक जागरण
भोपाल, 02 मार्च, 2023

मध्य प्रदेश • उत्तर प्रदेश • दिल्ली • हरियाणा • उत्तराखंड • पंजाब • जम्मू-कश्मीर • बिहार • झारखंड • हिमाचल प्रदेश • पश्चिम बंगाल से प्रकाशित www.djmp.in/epaper

मेट्रो प्रोजेक्ट के साथ ही फंडिंग ने रफ्तार पकड़ी, इस बार मिलेंगे 710 करोड़ रुपए

पिछले वर्ष के मुकाबले 210 करोड़ ज्यादा

हर साल बढ़ रहा बजट, पहले 268 करोड़, फिर 500 करोड़ रखा

जागरण प्रतिनिधि, भोपाल

भोपाल व इंदौर में मेट्रो प्रोजेक्ट के रफ्तार पकड़ चुके हैं। भोपाल में सितंबर तक मेट्रो का ट्रायल रन किया जाना है। इन प्रोजेक्ट्स में पैसों की कमी न हो, इसका सरकार ने बुधवार को पेश अगले वित्तीय वर्ष के प्रस्तावित बजट में ध्यान रखा है। दोनों शहरों के लिए 710 करोड़ रुपए का प्रावधान किया है। मौजूदा वित्तीय वर्ष के बजट में दोनों शहरों के लिए 500 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया। ऐसे में इस बार 210 करोड़ रुपए अधिक मिल सकता है। मेट्रो प्रोजेक्ट के लिए हर साल बजट में बढ़ोतरी की जा रही है। शुरुआत में 268 करोड़ रुपए दिया गया था। फिर 500 करोड़ का प्रावधान किया।

सुभाष नगर से रानी कमलापति स्टेशन के बीच मेट्रो की शुरुआत

भोपाल में एम्स से करोंद चौराहा तक पहला रूट है। फिलहाल एम्स से सुभाष नगर के बीच एलिवेटेड रूट का सिविल वर्क लगभग पूरा हो चुका है। इंदौर में अनुमोदित मेट्रो रिंग कॉरिडोर (बंगाली स्क्वायर-भंवरसाला-एयरपोर्ट-पलासिया-बंगाली स्क्वायर) का लगभग 31.5 कि.मी. का निर्माण कार्य किया जा रहा है। राजधानी में एम्स से करोंद तक मेट्रो का पहला रूट है। इसके आधे हिस्से यानि एम्स से सुभाष नगर फाटक तक जमीन के ऊपर रूट बनाने का काम दिलीप बिल्डकॉन को सौंपा गया। यह करीब सवा छह किमी लंबा है। मौजूदा स्थिति में इसका सिविल वर्क लगभग पूरा हो चुका है। राजधानी में प्रायोरिटी कॉरिडोर यानि सुभाष नगर फाटक से रानी कमलापति स्टेशन के बीच मेट्रो की शुरुआत की जाना है। यह रूट करीब पांच किमी लंबा होगा। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इस मार्ग पर मेट्रो की शुरुआत के लिए सितंबर की समय सीमा तय की है।

राज्य विधानसभा में बुधवार को वित्तमंत्री जगदीश देवड़ा जब बजट भाषण पढ़ रहे थे, तो कांग्रेस सदस्यों ने अपने स्थान पर खड़े होकर जमकर टोका-टोकी की। इस दौरान कई बार उनकी सत्तापक्ष के सदस्यों से नोंकझोंक भी हुई।

डिपो में ट्रेक के लिए स्लीपर्स बिछाने की तैयारी

वहीं मेट्रो प्रोजेक्ट के महत्वपूर्ण हिस्से डिपो का निर्माण स्टड फार्म और आसपास की करीब 80 एकड़ जमीन पर किया जा रहा है। यहां न केवल मेट्रो रेल पार्क होंगी बल्कि उनका मेंटेनेंस भी होगा। इसका निर्माण हर हाल में मेट्रो का संचालन शुरू होने के पहले पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। डिपो में पटरियों के लिए गिट्टी व स्लीपर्स बिछाने की तैयारी कर ली गई है। मेट्रो के लिए बिजली सप्लाई के लिए वर्क ऑर्डर जारी हो गए हैं। रोलिंग स्टॉक, सिग्नलिंग और दूरसंचार की प्रणाली का काम भी जल्द शुरू हो जाएगा। लिफ्ट, एस्केलेटर और विभिन्न ट्रेक सामग्री की सप्लाई के लिए भी टेंडर हो चुके हैं।

अगले महीने तीन स्टेशन तैयार होने की उम्मीद

जमीन के ऊपर मेट्रो के आठ स्टेशन का निर्माण नवंबर, 2021 में शुरू किया गया। इस पर 426.67 करोड़ रुपए खर्च होगा। तमिलनाडु की युआरसी को कंपनी को जिम्मा सौंपा गया है। कार्य पूरा करने के लिए सवा दो साल का समय एजेंसी को दिया गया है। ऐसे में वर्ष 2024 में स्टेशन तैयार हो सकते हैं। ये स्टेशन एम्स, अलकापुरी, हबीबगंज नाका, रानी कमलापति स्टेशन के पास, एमपी नगर जोन 1, डीबी मॉल, केंद्रीय विद्यालय के पास और सुभाष नगर में बनेंगे। खास बात यह होगी कि रानी कमलापति रेलवे स्टेशन को मेट्रो स्टेशन से स्काय वॉक के जरिए जोड़ा जाएगा। इस मेट्रो स्टेशन का नाम भी रानी कमलापति होगा। मौजूदा स्थिति में सितंबर के पहले सुभाष नगर से रानी कमलापति स्टेशन के बीच के पांच स्टेशन तैयार करने पर फोकस किया जा रहा है। अप्रैल तक तीन स्टेशन तैयार होने की संभावना जता रहे हैं।

इस महीने से बिछेंगी पटरियां

भोपाल में मेट्रो ट्रेक बिछाने का जिम्मा एलएंडटी को सौंपा गया है। अगले महीने से रेल चलाने के लिए पटरियां बिछना शुरू हो जाएंगी। रायपुर से ट्रेक बनकर आ रहे हैं।

बजट भाषण में विपक्ष ने की जमकर टोका-टोकी

प्रमुख संवाददाता, भोपाल। बुधवार को राज्य विधानसभा में वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा द्वारा बजट भाषण शुरू करने के कुछ समय बाद ही कांग्रेस विधायकों ने टोका-टोकी शुरू कर दी। इसकी शुरुआत विधायक प्रियव्रत सिंह ने की। टोका-टोकी बढ़ने पर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने नेता प्रतिपक्ष डाक्टर गोविंद सिंह और कमलनाथ से आग्रह किया कि वित्त मंत्री के बजट भाषण के दौरान टोका टोकी नहीं होती है। हालांकि विपक्षी विधायकों का इस पर कोई असर नहीं हुआ।

सीएम ने नेता प्रतिपक्ष और कमलनाथ से की अपील पर नहीं माने कांग्रेस विधायक

जब वित्त मंत्री स्कूल शिक्षा विभाग पर बोल रहे थे तो कांग्रेस के विजय चौरे ने कहा कि गाजर घास की तरह निजी स्कूल खुल गए हैं। वहीं चापू सिंह तंवर ने कहा कि स्कूलों में शिक्षक नहीं हैं। इनकी कब व्यवस्था कर रहे हैं। विद्यार्थियों को साइकिल अब तक नहीं मिल पाई हैं। इंजीनियरिंग कालेज की बात होते ही कांग्रेस के राकेश मावई ने कहा कि मुरैना में सीएम ने इंजीनियरिंग कालेज खोलने की घोषणा की थी, उसका क्या हुआ। किसानों पर जब वित्त मंत्री बोल रहे थे तो शंशाक भार्गव ने कहा कि किसानों का ब्याज माफ नहीं हुआ है। बाला बच्चन बोले कि कर्ज माफी के लिए कम प्रावधान किया गया है। इधर जब रसोई गैस की कीमतों को लेकर कमलनाथ ने जब सरकार पर निशाना साधा तो गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि पैसे राज्य सरकार ने नहीं बढ़ाए हैं, उनके इतना कहते ही कांग्रेस के कई विधायक एक साथ खड़े होकर बोलने लगे, उनका कहना था कि प्रदेश सरकार अपनी तरफ से इस मामले में जनता को राहत दे।

MPMETRO

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
03	Hari Bhoomi	Bhopal	02.03.2023	03	बजट से बढ़ेगी भोपाल-इंदौर मेट्रो की रफ्तार	Neutral

हरिभूमि

भोपाल भूमि फ्रंट पेज

बजट से बढ़ेगी भोपाल-इंदौर मेट्रो की रफ्तार

3.14 लाख करोड़ का बजट पेश

मेट्रो के लिए 710 करोड़ रुपए का बजट

किसानों का ब्याज भरेगी सरकार

स्पोर्ट्स साइंस सेंटर बनेगा

प्रदेश में 1 लाख युवाओं को दी जाएगी सरकारी नौकरी

12वीं में फर्स्ट डिविजन से पास छात्राओं को मिलेगी ई-स्कूटी

फ्लाइट से तीर्थ दर्शन कराएगी सरकार, 50 करोड़ स्वीकृत

लाड़ली बहना योजना के लिए 8 हजार करोड़

महिलाओं को 1 हजार रुपए प्रति माह दिया जाएगा

शिवराज के बजट से बहनों और भांजियों की बल्ले-बल्ले

मध्यप्रदेश के धार्मिक स्थलों के लिए हेलिकॉप्टर सेवा शुरू की जाएगी

खेलों के विकास के लिए 738 करोड़ रुपए का प्रावधान

एमपी में पहली बार ई-बजट यानी पेपरलेस बजट आया

डिफाल्टर किसानों का ब्याज भरने से मिलेगी मदद

2025 तक 65 लाख हेक्टेयर में होगी सिंचाई

उच्च वर्ग: पर्यटन अधोसंरचना को लेकर जो उम्मीद थी उतना मिला...

कमजोर वर्ग: हर वर्ग के लिए लाभकारी सरकार की योजनाएं

स्टांप शुल्क पांच प्रतिशत से घटाकर जीरो किया

अपराध अनुसंधान के लिए साढ़े तीन सौ करोड़ रुपए

क्या बोले पूर्व डीजीपी

पुलिस आवास की समस्या होगी दूर

पुलिस विभाग के लिए बेहतर बजट

मेट्रो न्यूज

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
04	नव दुनिया	Bhopal	02.03.2023	03	710 करोड़ रुपये से मेट्रो को लगें पंख	Neutral

कृषि 15 हजार किसानों (जिला) का ब्याज माफ होगा

परिवहन 2.75 लाख से अधिक वाहन जो पुराने हैं, हटेंगे

खेल 2.5 गुना हुआ बजट खिलाड़ियों को मौका मिलेगा

710 करोड़ रुपये से मेट्रो को लगेंगे पंख

सरकार ने भोपाल मेट्रो का ट्रायल रन सितंबर से 2023 से शुरू करने का लक्ष्य रखा है। विधानसभा चुनावों को देखते हुए यह एक बड़ा प्रतीक होगा कि राजधानी को मेट्रो सिटी बनाने के लिए सरकार गंभीर है और मेट्रो ट्रेन का चलना कोई दिखावा नहीं बल्कि हकीकत है। इसी लक्ष्य को दृष्टिगत रखते हुए बजट में वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए राज्य सरकार ने भोपाल और इंदौर मेट्रो के लिए 710 करोड़ रुपये का प्रविधान किया गया है। यह राशि पिछले बजट से 200 करोड़ ज्यादा है। इससे दोनों परियोजनाओं के निर्माण कार्य में तेजी आएगी। अब तक भोपाल-इंदौर मेट्रो के लिए प्रायोरिटी कारिडोर बनाने में करीब ढाई हजार करोड़ रुपये खर्च हो चुके हैं। मप्र मेट्रो रेल कार्पोरेशन केंद्र व राज्य का सयुंक्त उपक्रम है। इसमें 20 प्रतिशत राशि राज्य और 20 प्रतिशत केंद्र देगा। जबकि शेष 60 प्रतिशत राशि विदेशी निवेश से जुटाई जाएगी। इसमें भोपाल मेट्रो को 30 प्रतिशत राशि यूरोपियन इंवेस्टमेंट बैंक देगा।

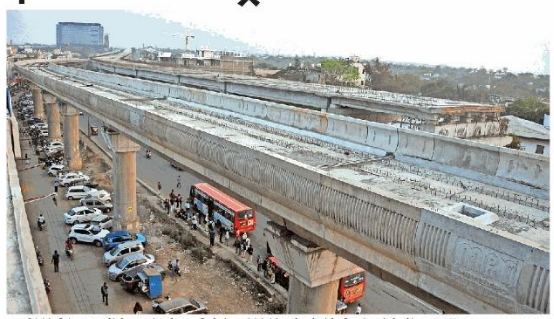

राजधानी में मेट्रो परियोजना का कार्य तेजी चल रहा है। रानी कमलापति की ओर जा रहे मेट्रो प्रोजेक्ट की तस्वीर बोर्ड आफिस चौराहा से ली गई है। ● प्रवीण दीक्षित

14,500 रुपये दोनों परियोजनाओं में खर्च होंगे। सितंबर 2023 में होगा मेट्रो ट्रायल रन। पिछले बजट में भोपाल-इंदौर के लिए 500 करोड़ का प्रविधान किया गया था। भोपाल में मेट्रो रेल के प्रायोरिटी कारिडोर का 80 प्रतिशत सिविल वर्क पूरा हो चुका है।

शासन की मंशा अनुसार अगस्त और सितंबर के बीच भोपाल और इंदौर में मेट्रो का ट्रायल रन शुरू करना है। इसके लिए निर्माण कार्य की गति बढ़ा दी गई है। सरकार ने बजट में भी बढ़ोतरी की है, जिससे मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार तय समय में मेट्रो का ट्रायल रन शुरू हो सकेगा।

-मनीष सिंह, प्रबंध संचालक, मध्यप्रदेश मेट्रो रेल कार्पोरेशन लिमिटेड

नर्मदापुरम

नर्मदापथ का नहीं हो सका निर्माण

नर्मदा परिक्रमा करने वाले श्रद्धालुओं के लिए नर्मदा पथ निर्माण की घोषणा प्रदेश सरकार ने वर्ष 2008 में की थी, लेकिन 15 साल बीतने के बाद भी नर्मदा पथ नहीं बन सका है। बनखेड़ी से लेकर सिवनीमालवा के आखरी घाट तक इस पथ का निर्माण किया जाना था। बनखेड़ी व सोहागपुर क्षेत्र में कुछ जगहों पर काम शुरू भी हुआ था, लेकिन अचानक काम बंद कर दिया गया। करीब 144 किमी लंबी जगह को नर्मदा पथ के लिए चिह्नित किया गया था। बनखेड़ी के ग्रामीण क्षेत्रों से इस नर्मदा पथ का निर्माण किया जाना था। प्रशासन की पूरी तैयारी के बावजूद निर्माण नहीं हो सका।

भोपाल

गांधी मेडिकल कालेज में बढ़ेंगी पीजी की सीटें

बजट में एमबीबीएस की बढ़ी हुई सीटों का फायदा गांधी मेडिकल कालेज को मिलेगा। हालांकि अभी कालेज में एमबीबीएस की 250 सीटें हैं। फिलहाल एमबीबीएस यूजी की सीटों के बढ़ने की उम्मीद नहीं दिख रही है, लेकिन पीजी सीटों को कालेज में बढ़ाया जा सकता है। अभी कालेज में पीजी की 79 सीटें बढ़ाई जा चुकी हैं। भविष्य में सीटों की संख्या बढ़ाकर 280 तक करने की तैयारियां की जा रही है। गांधी मेडिकल कालेज प्रबंधन ने बताया कि इसे लेकर पूर्व में प्रस्ताव और शासन को जानकारी भेजी जा चुकी है। सभी सीटें अलग-अलग विषयों की हैं।

सांची

विश्व प्रसिद्ध सांची देश की पहली सोलर सिटी बनेगी

बजट में रायसेन जिले के विश्व प्रसिद्ध पर्यटन स्थल सांची को देश की पहली सोलर सिटी बनाने के लिए प्रविधान किया गया है। मुख्यमंत्री इसका काम प्राथमिकता से करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने तीन मई विश्व सौर ऊर्जा दिवस से पहले इस परियोजना को पूर्ण करने के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं। सौर ऊर्जा सिटी पर करीब 75 करोड़ रुपये खर्च होंगे। यहां के घर, सड़कें, सरकारी-निजी दफ्तर सब कुछ सौर ऊर्जा से ही रोशन होंगे। यहां 40 एकड़ भूमि पर 10 मेगावाट का सोलर प्लांट लगाया जा रहा है। इससे घरेलू और व्यावसायिक बिजली की जरूरत पूरी होगी।

बजट को लेकर कुछ इस तरह रही नेताओं की प्रतिक्रिया

भारत के इतिहास में पहली बार मप्र में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान बहनों का खाता बैंको में खुलवाने जा रहे हैं। सभी बहनों को अब 1000 रुपये प्रतिमाह मिलेंगे। प्रधानमंत्री ने देश के किसानों का खाता बैंक में खुलवा कर राशि देना शुरू की थी। अब प्रदेश में मुख्यमंत्री ने बहनों का ध्यान रखा है।

-रामेश्वर शर्मा, विधायक हुजूर

प्रदेश का बजट समग्र विकास के दृष्टिकोण के अनुरूप गांव, गरीब, किसान, महिला और युवाओं के उत्थान का है। यह बजट, नया और सशक्त मध्य प्रदेश की समृद्धि का संकल्प है। खेल विभाग का बजट ढाई गुना बढ़ाकर 738 करोड़ रुपये किया गया है।

- यशोधरा राजे सिंधिया, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री

स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार के लिए प्रदेश में एमबीबीएस की सीटें 2,055 से बढ़ा कर 3,605 और स्नातकोत्तर की 649 सीटें 915 की जाएंगी। एमबीबीएस सीटें बढ़ने से प्रदेश में चिकित्सकों की संख्या में वृद्धि होगी। चिकित्सा शिक्षा विभाग के लिए 2,735 करोड़ रुपये का बजट प्रस्तावित किया है।

-विश्वास सारंग, चिकित्सा शिक्षा मंत्री

नगरीय विकास के लिए 14 हजार 882 करोड़ रुपये का प्रविधान किया गया है। यह गत वित्तीय वर्ष से एक हजार 769 करोड़ अधिक है। आवासहीन परिवारों को सुराज योजना में आवास बनाए जाएंगे। मुख्यमंत्री नगरीय भूअधिकार योजना में 30 वर्षीय स्थायी पट्टे जारी किये जा रहे हैं।

-भूपेंद्र सिंह, नगरीय विकास एवं आवास मंत्री

अभी सिर्फ सरकारी वाहनों को ही स्क्रैप पालिसी के तहत हटाने का प्रविधान किया है। 15 वर्ष से अधिक निजी पुराने वाहनों को हटाने का निर्णय नहीं लिया है। लोग परिवहन कार्यालय में 15 वर्ष से अधिक पुराने वाहनों का तय शुल्क देकर आनलाइन आवेदन करके पंजीयन करा सकते हैं।

- गोविंद सिंह राजपूत, परिवहन मंत्री

बजट प्रदेश के विकास को नई गति देने वाला है। युवाओं को शासकीय सेवा में एक लाख से अधिक पदों पर रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे। मुख्यमंत्री अप्रेंटिसशिप योजना में किए गए एक हजार करोड़ रुपये के प्रविधान से शिक्षा को उद्योगों से जोड़ने का प्रयास किया गया है।

-डा. मोहन यादव, उच्च शिक्षा मंत्री

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
05	राज एक्स्प्रेस	Bhopal	02.03.2023	09	शीघ्र होगा इंदौर एवं भोपाल मेट्रो का संचालन	Neutral

मध्यप्रदेश बजट | राज एक्सप्रेस | www.rajexpress.co | गुरुवार, 2 मार्च 2023
कृषि/इंफ्रास्ट्रक्चर | 9 | भोपाल

शीघ्र होगा इंदौर एवं भोपाल मेट्रो का संचालन

इंदौर एवं भोपाल में मेट्रो का संचालन शीघ्र शुरू किया जाएगा। इसके लिए 710 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। नगरीय विकास के लिए वर्ष 2023-24 में 14 हजार 882 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। जो कि पिछले साल की तुलना में एक हजार 769 करोड़ रुपए अधिक है। 2023-24 में प्राथमिक कॉरीडोर पूर्ण कर लिए जाएं। इसी तरह बजट में अमृत परियोजना के लिए 12 हजार 858 करोड़ रुपए के कार्य आगामी सालों में किए जाएंगे। इसके अलावा कायाकल्प अभियान के तहत नगरीय निकायों की सड़कों के उन्नयन और सुधार के लिए 750 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है।

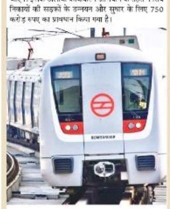

- विशेष पिछड़ी जनजातियों, विशेषकर बैगा, सहरिया एवं भारिया को मुख्यमंत्री दुधारू पशुप्रदाय कार्यक्रम के तहत दो दुधारू पशु उपलब्ध कराए जाएंगे। हितग्राही अंशदान को 10 फीसदी किया गया है।
- भोपाल में होगी वेंटिलेटेड फ्लॉवर डोम की स्थापना
- **क्या होंगे फायदे**: फूलों की खेती करने वाले किसानों को अपनी फसल सुरक्षित रहने तथा विपणन की समुचित व्यवस्था उपलब्ध कराने में मिलेगी मदद।
- **कृषि** : 53 हजार 964 करोड़ रुपए का प्रावधान
- कृषि व कृषि से संबंधित योजनाओं के लिए कुल 53 हजार 964 करोड़ रुपए का बजट प्रावधान प्रस्तावित है। जो वर्ष 2022-23 के बजट अनुमान से 804 करोड़ रुपए अधिक है।
- युवाओं को विदेश में रोजगार उपलब्ध कराने की योजना के तहत 200 युवाओं को जापान भेजा जाएगा। इसके अतिरिक्त मुख्यमंत्री पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक स्व-रोजगार योजना के तहत नवीन उद्यम तथा स्वरोजगार के लिए प्राप्त ऋण राशि पर तीन फीसदी वार्षिक ब्याज अनुदान दिया जाएगा।
- अनुसूचित जनजाति के लिए बजट 37 फीसदी बढ़ाया।
- अनुसूचित जनजाति उपयोजना के लिए 2023-24 बजट में 36 हजार 950 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। जो कि 2022-23 से 37 फीसदी अधिक है।
- सिंगरौली में खनन प्रौद्योगिकी महाविद्यालय शुरू होगा।
- ग्रामीण सड़कों के निर्माण तथा उन्नयन के लिए 2 हजार 526 करोड़ रुपए का प्रावधान।

MPMETRO

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
06	पत्रिका	Bhopal	02.03.2023	01	मेट्रो की बढ़ेगी रफ्तार	Neutral

बजट सराहनीय

बजट निराशाजनक

पत्रिका मध्यप्रदेश बजट परीक्षा 2023-24

मेरा शहर-मेरा बजट

चार पीएमश्री स्कूल और स्किल पार्क युवाओं को कराएंगे जिंदगी के इम्तिहान में पास

मेट्रो की बढ़ेगी रफ्तार खेल में भी ऊंची छलांग

रुपया

आएगा

जाएगा

महिलाओं-युवाओं पर फोकस

355

6,000

WORD PUZZLE

टॉप टेन विभागों को कितना मिला बजट

MPMETRO

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
07	Times of India	Bhopal	02.03.2023	02	Rs. 755 Cr provision for Indore & Bhopal Metro Rail	Neutral

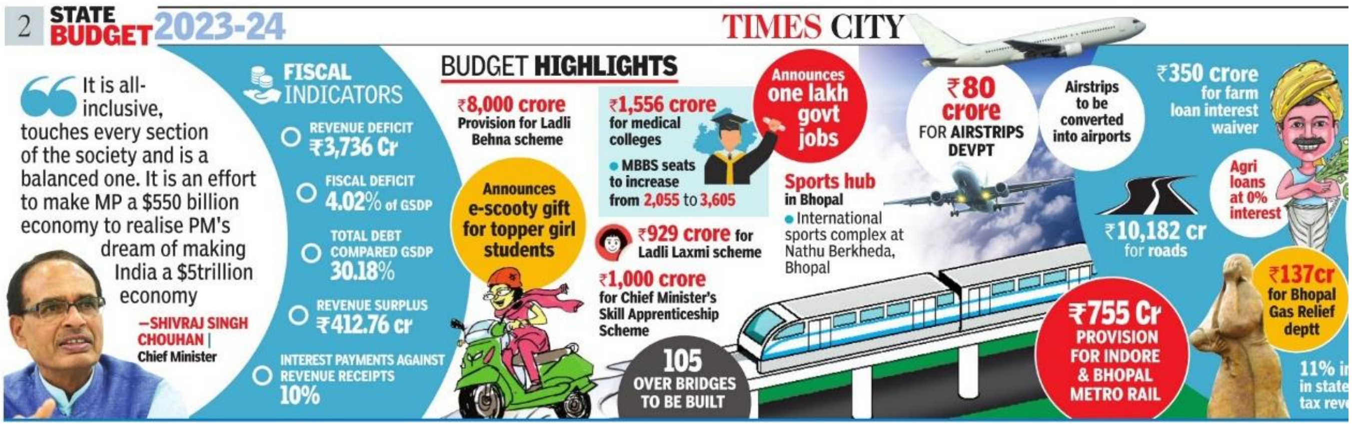

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
08	People Samachar	Bhopal	02.03.2023	02	मेट्रो प्रोजेक्ट: तीन साल में तीन गुना हुआ बजट	Neutral

मेट्रो प्रोजेक्ट : तीन साल में तीन गुना हुआ बजट

2023-24 के बजट में भोपाल-इंदौर मेट्रो के लिए 710 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। 2022-23 में 500 करोड़ और 2021-22 के बजट में इसके लिए 262 करोड़ का प्रावधान किया गया था। यानि पिछले तीन सालों में मेट्रो बजट में राज्य सरकार ने 448 करोड़ का इजाफा किया है। दरअसल, राजधानी में सुभाष नगर से एम्स तक प्रॉयोरिटी कॉरिडोर में नवंबर 2023 तक मेट्रो का ट्रायल रन शुरू किया जाना है। लिहाजा मेट्रो का काम अपनी पूरी रफ्तार से चल रहा है। बजट में किए गए इजाफे से साफ है कि राज्य सरकार भोपाल और इंदौर में जल्द से जल्द मेट्रो को पटरी पर दौड़ाना चाहती है।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
09	नवभारत	Bhopal	02.03.2023	02	मेट्रो के लिए 710 करोड़	Neutral

नव भारत

मेट्रो के लिए 710 करोड़

इंदौर और भोपाल मेट्रो रेल के लिए 710 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है. दोनों शहरों में इसी साल मेट्रो सेवा शुरू होगी.

MPMETRO

METRO NEWS

03rd March,2023

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
10	Dainik Patrika	Bhopal	03.03.2023	02	सड़क किनारे नहीं, मेट्रो ट्रेन की पटरियों के किनारे होगा शहर का विकास	Neutral

पत्रिका

कैसा होगा भविष्य का भोपाल शहर | **मास्टर प्लान 2031 नहीं, 2041 की जरूरत**

सड़क किनारे नहीं, मेट्रो ट्रेन की पटरियों के किनारे होगा शहर का विकास

पत्रिका इंडेप्थ स्टोरी

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

भोपाल. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि अब नियोजित शहर ही भारत का भविष्य तय करेंगे। इसलिए भविष्योन्मुखी बुनियादी ढांचे का विकास जरूरी है। कमोबेश यही बात भोपाल पर भी लागू होती है। भोपाल के मास्टर डेवलपमेंट प्लान 2031 में वह बातें शामिल होनी चाहिए जो शहर के समावेशी विकास की जरूरतें पूरी करती हों। टाउन प्लानिंग के विशेषज्ञों के अनुसार भोपाल के लिए अब मास्टर प्लान 2031 नहीं बल्कि 2041 की जरूरत है। बहरहाल, आने वाले समय में भोपाल शहर का विकास 80 फीट, 100 फीट और 120 फीट चौड़ी सड़कों के किनारे नहीं, मेट्रो ट्रेन के नेटवर्क के किनारे होगा।

डेवलपमेंट प्लान ड्राफ्ट 2031 में मेट्रो लाइन किनारे वाले क्षेत्रों को अतिरिक्त एफएआर के साथ व्यवसायिक व अन्य गतिविधियों के लिए तय किया गया है। हालांकि, अब इसे दिल्ली की तर्ज पर 2041 या इससे आगे तक के लिए तय करने की मांग हो रही है।

योजनाकारों का कहना है कि 2031 का ड्राफ्ट यदि इसी साल लागू होता है तो भी यह महज आठ साल का ही विकास प्लान होगा। इसलिए कम से कम पंद्रह साल की योजना बननी चाहिए।

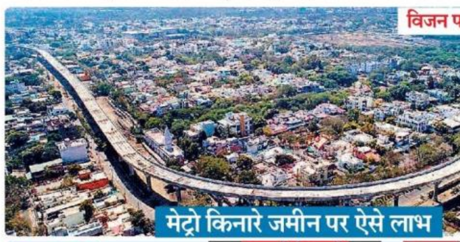

विजन फॉर ए 24×7 सिटी

इनका हो समावेश
- समावेशी विकास
- पर्यावरणीय स्थिरता
- ग्रीन इकोनामी
- पर्याप्त आवास
- टीओडी हब
- लैंड पूलिंग
- शहर का कायाकल्प
- आइटी/साइबर हब
- ज्ञान आधारित उद्योग

मेट्रो किनारे जमीन पर ऐसे लाभ

ज्यादा निर्माण **सामान्य** एफएआर यानि जमीन के क्षेत्रफल की तुलना में अभी 1.25 यानी जमीन के क्षेत्रफल का सवा गुना हो सकता है। मेट्रो लाइन किनारे यह ढाई या तीन करीब है। यानि कम जमीन पर ज्यादा निर्माण होगा।

आसानी से अनुमति **मेट्रो** लाइन किनारे क्षेत्रों की जमीनों पर व्यवसायिक भवन व बहुमंजिला भवनों को सामान्य की तुलना में ज्यादा आसानी से अनुमति मिल जाएगी।

व्यवसायिक भवन बनेंगे **मेट्रो** लाइन किनारे क्षेत्रों में तेजी से विकास करने सरकार भी अपनी तरफ से मदद कर सकती है। लाइन किनारे नए बाजार, रहवासी क्षेत्रों के साथ व्यवसायिक भवन बनेंगे, जिससे क्षेत्र अपेक्षाकृत ज्यादा वाइब्रेंट होंगे।

शहर के इन क्षेत्रों में मेट्रो नेटवर्क

लाइन 1	लाइन 2	लाइन 3	लाइन 4	लाइन 5	लाइन 6
बैरागढ़ से अवधपुरी तक	करोंद चौराहा से एम्स तक	भौरी बाईपास से वसंत कुंज बस स्टॉप	अशोक गार्डन ऑटो स्टैंड से कोलार रोड मदर टेरेसा स्कूल	भदभदा चौराहा से रत्नागिरी तिराहा गोविंदपुरा क्षेत्र	हबीबगंज नाका से मंडीदीप

(यह करीब 103 किमी लंबाई का नेटवर्क है। मेट्रो से इन क्षेत्रों का तेजी से विकास होगा)

चुनाव से पहले करेंगे लागू

भोपाल मास्टर प्लान जल्दी ही लागू होगा। हालांकि, इसे कब तक लागू किया जाएगा कुछ स्पष्ट नहीं है। कोशिश है कि चुनाव के पहले इसे लागू कर दें।

भूपेंद्र सिंह, शहरी आवास एवं विकास विभाग

अब जरूरत प्लान-2041 की

भोपाल का मास्टर प्लान जल्द लागू हो। प्लान का समय दिल्ली की तर्ज पर 2041 तक के लिए करना चाहिए, ताकि प्रावधान सही तरीके से लागू हो पाए।

राजेश चौरसिया, आर्किटेक्ट, स्ट्रक्चरल इंजीनियर

Date: 03/03/2023, Edition: Bhopal, Page: 2
Source : https://epaper.patrika.com/

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
11	Hari Bhoomi	Bhopal	04.03.2023	02	भोपाल मेट्रो ने पकड़ी रफ्तार, सुभाष नगर से करौंद तक के टेन्डर डाक्यमेन्ट तैयार, जल्द शुरू होगा काम	Neutral

हरिभूमि
भोपाल भूमि फ्रंट पेज
Pg-II भोपाल, शनिवार 4 मार्च 2023

सितंबर तक मेट्रो ट्रेन का संचालन शुरू करने का लक्ष्य, निर्माण की गति बढ़ाने के निर्देश

भोपाल मेट्रो ने पकड़ी रफ्तार, सुभाष नगर से करोंद तक के टेंडर डॉक्यूमेंट तैयार, जल्द शुरू होगा काम

हरिभूमि न्यूज ▶▶भोपाल

राजधानी भोपाल में सुभाष नगर से करोंद तक मेट्रो प्रोजेक्ट के दूसरे सिविल वर्क के लिए मप्र मेट्रो रेल कंपनी को स्वीकृति मिल गई है। बीते दिनों बोर्ड बैठक में निर्णय के बाद पत्र भी जारी कर दिया गया है। सुभाष नगर से करोंद तक 8.76 किमी लंबे सिविल वर्क संबंधित टेंडर जारी कर दिए गए हैं।

साथ ही भदभदा चौराहा से रत्नागिरी तिराहा तक लाइन 5 रेड कॉरीडोर तक मेट्रो संचालन के लिए सिविल वर्क के टेंडर जारी कर काम शुरू किया जाएगा। मेट्रो रेल कंपनी के अधिकारियों ने बताया कि स्वीकृति मिलने के बाद दोनों ही रूटों पर एक साथ प्लानिंग के तहत निर्माण कार्य किया जाएगा। रेड कॉरीडोर में सिर्फ स्टेशनों के निर्माण संबंधित प्रक्रिया पूरी की जाएगी। इसके बाद यहां मेट्रो एलीवेटेड रूट के लिए सिविल वर्क के लिए टेंडर जारी किए जाएंगे। सरकार ने वर्ष 2023-24 तक हर शहर में मेट्रो संचालन का लक्ष्य निर्धारित किया है। एम्स से सुभाष ब्रिज तक मेट्रो ट्रेन प्रायोरिटी कॉरीडोर पर मेट्रो ट्रेन सितंबर से चलाने की कोशिश के बीच सुभाष ब्रिज से करोद तक करीब आठ किमी लंबाई के बचे हुए हिस्से का काम भी शुरू करने की कवायद की जा रही है। इसके लिए एजेंसी तय करना है। कंपनी ने टेंडर डाक्यूमेंट तैयार कर लिया है। इसे वित्तीय मंजूरी के लिए शासन के माध्यम से यूरोपियन बैंक को भेजा है। यहीं से इसके लिए राशि मिलेगी। संभवतः इस साल आखिर तक सुभाष ब्रिज से करोद तक मेट्रो का काम भी शुरू हो जाए।

सुभाष नगर से एम्स तक होली के बाद शुरू हो जाएगा पटरी बिछाने का काम

मेट्रो प्रोजेक्ट के दूसरे सिविल वर्क के लिए मप्र मेट्रो रेल कंपनी को मिली स्वीकृति

मेट्रो का संचालन शुरू करने तेजी से काम जारी

स्टेशन का काम अगले दो से तीन माह में पूरा करने के निर्देश

भोपाल मेट्रो ट्रेन प्रोजेक्ट के तहत एम्स से सुभाषब्रिज तक निर्माणाधीन आठ मेट्रो ट्रेन स्टेशनों पर करीब सभी पीयर आर्म्स बनकर तैयार हो गए। सितंबर से मेट्रो ट्रेन का संचालन हर हाल में शुरू करना है। इसलिए तेजी से काम किया जा रहा है। नवंबर 2022 की तुलना में जनवरी व फरवरी में तीन गुना काम हुआ। मेट्रो ट्रेन के लिए ट्रैक भी भोपाल एक दो दिन में आ जाएंगे। निर्माण गति बढ़ाने एमडी मेट्रो ट्रेन मनीष सिंह लगातार मेट्रो स्टेशनों के निर्माण कार्य का निरीक्षण कर रहे हैं। स्टेशन का काम अगले दो से तीन माह में हर हाल में पूरा करने के लिए कहा गया।

सुभाषब्रिज मेट्रो स्टेशन का काम पहले होगा

कि एक मेट्रो स्टेशन पर 20 पीयर आर्म्स बनाए गए हैं। आठ स्टेशन के लिए कुल 160 पीयर्स आर्म्स बनकर तैयार हैं। बदली योजना के तहत सितंबर 2023 तक रानी कमलापति से सुभाषब्रिज तक मेट्रो दौड़ाई जाएगी। ऐसे में रानी कमलापति एमपी नगर के साथ सुभाषब्रिज मेट्रो स्टेशन का काम सबसे पहले पूरा करने के लिए कहा गया है। मेट्रो ट्रेन पहली लाइन एम्स से करोंद तक करीब 14.200 किमी में से प्रायोरिटी कॉरीडोर का भाग 6.22 किमी रखा गया है।

90 फीसदी सिविल वर्क पूरा, डिजाइन ड्राइंग भी फाइनल

मेट्रो ट्रेन प्रोजेक्ट के एम्स से सुभाषब्रिज तक 6.22 किमी लंबे प्रायोरिटी कॉरीडोर का 90 फीसदी सिविल वर्क पूरा हो चुका है। एमडी मनीषसिंह को मेट्रो इंजीनियर व अफसरों ने इसकी जानकारी दी। ड्राइंग डिजाइन ठेकेदार को दी जा चुकी है, ताकि उसके अनुसार वह काम तेजी से पूरा कर सकें। निरीक्षण के दौरान एमडी मनीषसिंह ने बोर्ड ऑफिस चौराहा पर मेट्रो काम के लिए मार्ग न परिवर्तित करने ट्रैफिक पुलिस से सामंजस्य स्थापित कर काम करने का कहा। निरीक्षण में निदेशक प्रोजेक्ट अजय शर्मा अतिरिक्त निदेशक तकनीकी शोभित टंडन, महाप्रबंधक संजय सिंह व अन्य अफसर ठेका व कंसलटेंट एजेंसी के अफसर उपस्थित थे।

MPMETRO

METRO NEWS

05th March,2023

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
12	Dainik Bhaskar	Bhopal & Indore	05.03.2023	02	देश मे सबसे पहले हमारी मेट्रो में विडिओ एनालीटिकस सिस्टम, अपराधी भी होंगे ट्रेस	Neutral

भोपाल 05-03-2023

दैनिक भास्कर ऐतिहासिक सफलता के 40 वर्ष

आप पढ़ रहे हैं देश का सबसे विश्वसनीय और नंबर 1 अख़बार

दैनिक भास्कर

मूल्य ₹ 7.00, डीबी स्टार के साथ | वर्ष 66, अंक 202, महानगर

सुविचार
सही सोच आपको सफल बनाती है, और गलत सोच आपको असफल बनाती है।

DainikBhaskar.com | भोपाल, रविवार 5 मार्च, 2023 | फाल्गुन शुक्ल पक्ष - 13, 2079 | 12 राज्य | 61 संस्करण

हमारी मेट्रो दो साल में ड्राइवरलेस होगी, 35 साल में बचेंगे करीब 1000 करोड़ रुपए

देश में सबसे पहले हमारी मेट्रो में वीडियो एनालिटिक्स सिस्टम, अपराधी भी होंगे ट्रैस

▪ सुनीलसिंह बघेल

इंदौर, भोपाल में मेट्रो का काम चल रहा है। सरकार की तैयारी है कि इस साल सितंबर तक मेट्रो का ट्रायल रन हो जाए। हमारी मेट्रो की डिजाइन कई मायनों में देश की दूसरी मेट्रो से कुछ अलग होगी। शुरुआती दो साल अटेंडेंट के साथ चलाने के बाद मेट्रो ड्राइवर के बिना ही दौड़ेगी। यह गोवा-4 (ग्रेड ऑफ ऑटोमेशन) सिस्टम होगा। इस सिस्टम में ट्रेन पूरी तरह अनअटेंडेड ऑपरेशन मोड पर चलती है। आपात स्थिति में भी ट्रेन चालू करना और रोकना सब कुछ स्वचालित और कमांड सेंटर से नियंत्रित होता है। इंदौर में इसका नियंत्रण गांधी नगर और भोपाल में सुभाष नगर कंट्रोल रूम से होगा।

मेंटेनेंस के बाद डिपो से ट्रैक पर आने और वापस डिपो जाने तक इसका पूरा नियंत्रण कमांड सेंटर से ही होगा। अनुमान है ड्राइवरलेस होने से मेट्रो कंपनी 35 साल (कोच की आयु) में मैन पावर और ऊर्जा मद में 800 से 1000 करोड़ रुपए की बचत कर सकेगी। भविष्य में वीडियो एनालिटिक्स और फेस वीडियो फेस रिकग्निशन टेक्निक सिस्टम भी होगा। इससे संदिग्ध, अपराधियों की पहचान हो सकेगी। हालांकि इसके व्यावहारिक उपयोग में कुछ समय लगेगा।

156 कोच का ऑर्डर, गुजरात के सावली में बनने लगे हैं

इंदौर-भोपाल मेट्रो के लिए 156 कोच का ऑर्डर दिया जा चुका है। कोच की डिजाइन हैदराबाद में की जा रही है। गुजरात के सावली में ढांचे का निर्माण होने लगा है।

तकनीक का उपयोग कर चेहरे से चश्मा हटाकर भी हो जाएगी पहचान

मेट्रो की डिजाइन में लाइव वीडियो से चेहरा मिलान का वीडियो एनालिटिक्स सिस्टम शामिल है। इससे अपराधी, गुमशुदा बच्चों या अन्य वांटेड लोगों की पहचान की जा सकेगी। यह तकनीक मोबाइल में फेस रिकग्निशन सिस्टम जैसी है। इसमें वीडियो इमेज का मिलान डाटा में दर्ज व्यक्ति की शारीरिक विशेषताओं से कर थ्रीडी मॉडल तैयार किया जाता है। तकनीक का उपयोग कर चेहरे से चश्मा आदि को हटाकर भी पहचान की जाती है।

एक-दूसरे से बहुत कम अंतर से चलेगी ट्रेन, इससे फ्रीक्वेंसी बढ़ेगी

ड्राइवरलेस मेट्रो के लिए सिग्नल सिस्टम अलग होगा। इसके कारण एक-दूसरे से बहुत कम अंतर से मेट्रो चलाई जा सकेगी। स्टेशन, कोच, पटरियों में जीपीएस, हाई रेजोल्यूशन कैमरे के साथ सेंसर लगेंगे। सभी ट्रेन आपस में इस तरह कनेक्ट होंगी कि उन्हें एक-दूसरे की पोजिशन का पता होगा। इससे वे अपनी स्पीड ऐसी रखेंगी कि एक-दूसरे के बीच निश्चित दूरी रहे।

स्टेशन पर बनेंगे स्क्रीन डोर, इससे रुक सकेंगी दुर्घटनाएं

ऑटोमेशन प्रोजेक्ट से जुड़े शोभित टंडन ने बताया कि स्टेशन पर अलग से का स्क्रीन डोर लगेगा, जैसा बीआरटीएस पर है। स्टेशन के गेट मेट्रो खड़ी होने के बाद ही खुलेंगे और बंद होने के बाद ही ट्रेन रवाना होगी। इस स्क्रीन डोर का मुख्य मकसद ट्रेन के आगे कूदकर होने वाली आत्महत्या, पटरियों पर गिरकर हाई वोल्टेज की चपेट में होने वाली मौतें रोकना है।

इंदौर ट्रैक पर 130 होगी ट्रेन की स्पीड, शुरुआत वंदेभारत से

इंदौर | रेल सुविधाओं के लिहाज से इंदौर के लिए आने वाला समय उपलब्धियों भरा होगा। 50 साल बाद इंदौर-उज्जैन ट्रैक का इलेक्ट्रिफिकेशन होने के बाद एक बड़ी सौगात शहर को हाई स्पीड ट्रेनों की मिलने वाली है। इसमें पहली वंदेभारत ट्रेन इंदौर-जबलपुर के बीच इस महीने के अंत तक शुरू होगी। इस ट्रेन को लेकर इंदौर और जबलपुर दोनों शहरों में तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। इस ट्रैक पर ट्रेन की स्पीड 130 किमी प्रति घंटा होगी। पिट लाइन के इलेक्ट्रिफिकेशन के साथ ही स्टाफ की ट्रेनिंग भी हो चुकी है। अब इंतजार है प्रधानमंत्री कार्यालय से उद्घाटन की तारीख तय करने का। यह तारीख घोषित होने के साथ ही रैक अलॉट हो जाएगा। यह ट्रेन इंदौर को भोपाल होते हुए जबलपुर से जोड़ेगी।

अब सुपर स्पेशिएलिटी अस्पताल में भी किडनी प्रत्यारोपण

इंदौर | सुपर स्पेशिएलिटी अस्पताल में अंगदान के लिए तैयारियां शुरू हो गई हैं। शहर का यह पहला सरकारी अस्पताल है, जिसमें अंग प्रत्यारोपण सहित कई जटिल बीमारियों के इलाज की सुविधा कम खर्च पर होगी। इसकी शुरुआत किडनी प्रत्यारोपण से होगी। अस्पताल में अंगदान के लिए एक विंग अलग से बनाई है। बोन मैरो ट्रांसप्लांट की यूनिट भी यहां शिफ्ट हो गई है। दरअसल, अंगदान संबंधी सभी सेंटर स्टेट ऑर्गन एंड टिशू ट्रांसप्लांट एक्ट के तहत पंजीबद्ध होते हैं। इसके पहले एक बार एमवायएच में ब्रेन डेड मरीज के ऑर्गन रिट्रीवल हो चुका है। अब ये सुविधाएं सुपर स्पेशिएलिटी हॉस्पिटल में मिलेंगी। अंगदान में वैसे भी इंदौर पूरे सेंट्रल इंडिया में नंबर वन पर है। ऐसे में सरकारी अस्पताल में यह सुविधा शुरू होगी तो मरीजों को निजी अस्पतालों के खर्च से भी निजात मिलेगी।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
13	Times of India	Bhopal	05.03.2023	03	City metro's priority corridor moving on right track	Neutral

City metro's priority corridor moving on right track

First Batch Of Rail Track For Metro Depot Arrives

Jamal.Ayub@timesgroup.com

Bhopal: It is looking on-track for MP Metro Rail Corporation Limited (MPMRCL) with 210-day remaining to meet the deadline for start of 4-km-long priority corridor of Bhopal metro. The first batch of 18 cm head-hardened rail track to be used in the metro depot, arrived here on Saturday.

Movement of loaded tracks on heavy vehicles turned many an expectant eyebrows in the city. The 4-km Bhopal corridor will get 8,120 MT of track, where as Indore metro ,with 6.3 km to be ready by September, will need 8,425 MT of the same.

Costing Rs 138 crore, these rail tracks will bear the load of some 50 coaches in the initial phase. Coaches will ply on under construction metro stations and it support system, costing about Rs 400 crore.

A completed track is expected to be laid by April. Parallel working on signaling is also taking place. It all coincides with financial aspect of the project, according to sources.

On the heels of a Rs 710 crore allocation in MP budget announced on March 1, MPMRCL will seek the first trench of loan from European Investment Bank (EIB). It would fund the purchase of some 50 coaches

Certification of structural design of segmental box-grider superstructure of Bhopal and Indore will be handled by IIT Mumbai.

METRO RAIL'S REPORT CARD

- Progress achieved in the package as on January 31 is 32.86%
- **Progress of work on the 6.2 km viaduct of the primary corridor is 89.45%**
- Design of the proposed Habibganj Naka Rail Overbridge approved by West Central Railway
- **Civil package of eight elevated stations worth ₹427 crore awarded**
- **Subhash Nagar depot construction track-level deck slab casting is in progress**
- Concourse and platform level at Kendriya Vidyalaya, Board Office Square, MP Nagar progressing in varying degrees
- **Foundation work is in progress at DRM office, Alkapuri & AIIMS stations**
- Civil package of ₹338 crore for Depot-Civil and E&M works
- Pile and open foundation work has been completed at five stations of priority corridor (Subhash Nagar, Kendriya Vidyalaya, Board Office Chauraha, MP Nagar and Habibganj)
- Cutting/filling of soil and construction of boundary wall is in progress
- **Casting of first slab of Admin Building (Part-3) completed**

System Package

Rolling stock (RS) & signaling and telecom (S&T) Works

- Progress achieved in the package as on **January 31 is 13.45%**
- **Amount of ₹3248 crore awarded (15 years for rolling stock and seven years for signaling & telecom)**
- Preliminary work program for **RS** and **S&T approved**
- NIT for two civil packages for elevated viaduct and stations and for **one underground package of tunnels and two underground stations is planned in Feb-Mar '23**

Power Supply & Traction Works in progress

- Progress achieved in the package as on **January 31 is 2.76%**

COMPOSITE TRACK SYSTEM PACKAGE - Supply of track material works worth ₹115 crore. HH rail material worth ₹68 crore

Track system package at ₹239 crore work is in progress

- Combined package for supply of shears, cross-over and turnout for **₹19.35 crore preliminary design submission and review is currently in progress**

MPMETRO

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
14	Dainik Bhaskar	Bhopal	05.03.2023	07	मेट्रो की पटरी का ट्रक आया भोपाल	Neutral

दैनिक भास्कर भोपाल 05-03-2023

मेट्रो की पटरी का ट्रक आया भोपाल

भोपाल| मेट्रो की पटरी के भोपाल आने का सिलसिला शुरू हो गया है। दरअसल पटरी लेकर छह दिन पहले रायगढ़ छत्तीसगढ़ से चला ट्रक भोपाल आ गया है। इसमें अभी डिपो में बिछाई जाने वाली 880 ग्रेड की पटरी आई हैं। यह ट्रक डिपो में खड़ा हुआ है। इसे तकनीकी विशेषज्ञों की देखरेख में क्रेन की सहायता से अनलोड किया जाएगा।

MPMETRO

METRO NEWS

06th March,2023

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
15	Patrika	Bhopal	06.03.2023	02	पहली खेप में 64 टन वजनी पटरियाँ दो ट्रकों से भोपाल पहुंची	Neutral

पत्रिका भोपाल BHOPAL
68 वां स्थापना दिवस 7 मार्च
PRIME प्राइम
पत्रिका patrika.com
भोपाल, सोमवार, 06 मार्च 2023
II

मेट्रो ट्रेन: सितंबर तक शुरू होगा संचालन

पहली खेप में 64 टन वजनी पटरियां दो ट्रकों से भोपाल पहुंची

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

भोपाल. मेट्रो ट्रेन के लिए रायपुर से ट्रैक व डिपो की पटरियों की पहली खेप भोपाल पहुंच चुकी है। दो ट्रक में करीब 64 टन वजनी पटरियां आई हैं। 1080 ग्रेड की पटरियां ट्रैक के लिए बिछाई जाएंगी, जबकि 880 ग्रेड की पटरियां डिपो में स्थापित होंगी।

रायपुर की जिंदल कंपनी भोपाल मेट्रो प्रोजेक्ट के लिए पटरियों की आपूर्ति कर रही है। मेट्रो ट्रेन ट्रैक के लिए 2200 मीट्रिक टन की पटरियां भोपाल भेजी जाएंगी, ताकि डिपो के लिए 500 मीट्रिक टन वजनी पटरियां होंगी। ट्रैक की पटरियां सुपरफास्ट स्पीड के हिसाब से हैं। पटरियों से भरे दोनों ट्रक रविवार को सुभाष नगर स्थित मेट्रो डिपो में पहुंचे। गौरतलब है कि प्रोजेक्ट के तहत 6.22 किमी लंबा प्रियोरिटी कॉरीडोर तैयार किया जा रहा है। एम्स से सुभाष ब्रिज तक के इस कॉरीडोर में सितंबर 2023 से रानी कमलापति स्टेशन से सुभाष ब्रिज तक करीब साढ़े तीन किमी तक की दूरी तक मेट्रो शुरू की जाएगी दिसंबर 2023 तक एम्स से भी ट्रेन शुरू कर दी जाएगी।

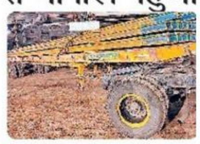

पटरियों की पहली खेप भोपाल पहुंच चुकी है। सभी काम एक साथ किए जा रहे हैं ताकि समय पर ट्रेन का संचालन शुरू हो सके।

मनीषसिंह, एमडी मेट्रो ट्रेन प्रोजेक्ट

MPMETRO

METRO NEWS

07th March,2023

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
16	हरी भूमि	भोपाल	07.03.2023	03	भोपाल मेट्रो के लिए सुभाष नगर डिपो मे आई पटरियाँ	Neutral

Pg-03

भोपाल मेट्रो के लिए सुभाष नगर डिपो में आईं पटरियां

हरिभूमि न्यूज ▶▶|भोपाल

भोपाल मेट्रो के लिए पटरी आना शुरू हो गई हैं। सुभाष नगर डिपो पर सोमवार को दो ट्रक पहुंच गए। इसके साथ ही पटरियां बिछाने का काम भी शुरू हो गया है। पटरियों की पहली खेप रायगढ़ छत्तीसगढ़ से रवाना हुई थी, जो रविवार को भोपाल पहुंच गईं। मनीष सिंह, प्रबंध संचालक मध्य प्रदेश मेट्रो रेल द्वारा भोपाल मेट्रो रेल के अंतर्गत पटरियों की पहली खेप के संदर्भ में मेट्रो अधिकारियों से प्रगति के बारे में विगत दिवस समीक्षा की थी। अधिकारियों ने बताया कि पटरियों की पहली 880 ग्रेड एवं 1080 एचएच खेप जिंदल स्टील प्रा. लि रायगढ़ छतीसगढ़ से भोपाल आई हैं। इस संबंध में प्रबंध संचालक के निर्देशानुसार मेट्रो अधिकारियों की एक टीम नियमित निरीक्षण हेतु जिंदल स्टील प्रा.लि.रायगढ़ छतीसगढ़ के दौरे पर है, जो गुणवत्ता सुनिश्चित करने के साथ-साथ पटरियों की त्वरित डिलीवरी भी सुनिश्चित कर रही है।

■ अब बोगी आना शेष, जिसमें से एक बोगी पहले आएगी, जिसे लोग देख सकेंगे

अधिकारियों ने साथ ही साथ यह भी सूचित किया कि पटरियों की खेप पहले सुभाष नगर डिपो में अनलोड कर दी गई है। अब 880 ग्रेड डिपो एवं 1080 एचएच पटरी वायडक्ट पर बिछाने का काम शुरू हो रहा है। भोपाल मेट्रो में यह कार्य लार्सन एंड टूबरो कम्पनी द्वारा किया जा रहा है। प्रबंध संचालक मनीष सिंह ने अधिकारियों को निर्माण कार्य को लेकर निर्देश दिए हैं कि तेज गति लाने के लिए हर संभव प्रयास किए जाएं।

METRO NEWS

10th March,2023

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
17	Dainik Jagran	Bhopal	10.03.2023	03	होगा मेट्रो शहरों सा नजारा	Neutral

राजधानी जागरण

दैनिक जागरण
भोपाल, 10 मार्च, 2023

03

• 11 • राज्य • 31 • संस्करण मध्य प्रदेश • उत्तर प्रदेश • दिल्ली • हरियाणा • उत्तराखंड • पंजाब • जम्मू-कश्मीर • बिहार • झारखंड • हिमाचल प्रदेश • पश्चिम बंगाल से प्रकाशित www.djmp.in/epaper

होगा मेट्रो शहरों सा नजारा

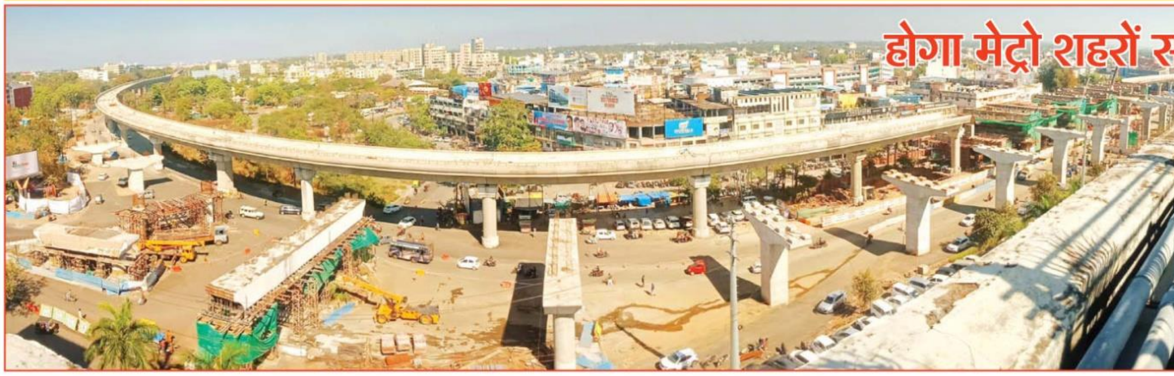

भोपाल का नजारा कुछ महीनों बाद मेट्रो शहरों सा दिखाई देगा। ट्रांसपोर्ट के सेक्टर में दो बड़ी उपलब्धि राजधानी के खाते में जुड़ जाएगी। एक तरफ रानी कमलापति स्टेशन से सुभाष नगर के बीच मेट्रो दौड़ेगी। इसके समानांतर गणेश मंदिर से गायत्री शक्तिपीठ और भोपाल हाट तिराहा तक फ्लाय ओवर भी तैयार हो जाएगा। मेट्रो शुरू होने का फायदा यह होगा कि सड़कों पर वाहनों की संख्या कम होगी। वहीं पीक अवर्स में सड़क मार्ग पर यातायात का दबाव ज्यादा होने पर वाहन फ्लाय ओवर से आसानी से निकल सकेंगे। फ्लाय ओवर की सुविधा मेट्रो के पहले मिलने की संभावना है।

MPMETRO

METRO NEWS

12th March,2023

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
18	Dainik Bhaskar	Bhopal	12.03.2023	J4	अगले महीने आएगा हमारी मेट्रो का माडल, स्मार्ट पार्क के पास होगा डिस्प्ले	Neutral

भोपाल 12-03-2023

संडे सिटी भोपाल

रविवार 12.03.2023 dainikbhaskar.com

संडे बिग स्टोरी • अगस्त तक आएंगी तीन-तीन कोच वाली दो ट्रेन

अगले महीने आएगा हमारी मेट्रो का मॉडल, स्मार्ट पार्क के पास होगा डिस्प्ले

इस मॉडल कोच को भीतर जाकर देखा जा सकेगा

इंफ्रास्ट्रक्चर रिपोर्टर | भोपाल

मेट्रो ट्रेन का मॉडल अगले महीने भोपाल आ जाएगा। इसे स्मार्ट रोड पर पार्क के पास डिस्प्ले किया जाएगा। इस बीच सितंबर में मेट्रो के ट्रायल के लिए तैयारियां तेज हो गईं हैं। सितंबर में ट्रायल से पहले भोपाल और इंदौर दोनों शहरों में अगस्त तक दो-दो ट्रेन आएंगी। इन ट्रेन में तीन-तीन कोच होंगे।

सोमवार को नगरीय आवास एवं विकास मंत्री भूपेंद्र सिंह वड़ोदरा के पास सांवली में मेट्रो ट्रेन निर्माण की शुरुआत करेंगे। एल्सटॉम ट्रांसपोर्ट इंडिया लिमिटेड भोपाल के लिए 81 और इंदौर के लिए 75 बोगियां बना रही है। एक ट्रेन में तीन बोगी के हिसाब से भोपाल के लिए 27 और इंदौर के लिए 25 मेट्रो ट्रेन आएंगी। एल्सटॉम ट्रांसपोर्ट इंडिया लिमिटेड को 6 जुलाई 2022 को कुल 156 कोच के साथ सिग्नलिंग, ट्रेन कंट्रोल और टेलीकम्युनिकेशन सिस्टम के निर्माण के साथ कमिशनिंग और मेंटेनेंस का वर्क ऑर्डर दिया गया है।

पटरी की पहली खेप आ चुकी

मेट्रो ट्रेन के लिए पटरी की पहली खेप भोपाल आ चुकी है। एल एंड टी कंपनी यह पटरी बिछाएगी। इसकी तैयारी शुरू हो गई हैं। डिपो में पटरी बिल्कुल वैसे ही बिछेगी, जैसे सामान्य रेलवे की होती है, यानी उसमें स्लीपर और बेलास्ट (गिट्टी) होगी, जबकि वाया डक्ट पर सिर्फ पटरी होगी।

ऐसी दिखेगी हमारी मेट्रो

81 बोगी भोपाल के लिए बनेंगी

75 बोगी इंदौर के लिए बनेंगी

6 जुलाई 2022 को कुल 156 कोच के साथ सिग्नलिंग का काम एल्सटॉम कंपनी को सौंपा

स्मार्ट रोड पर डिस्प्ले की व्यवस्था के लिए निगम को लिखा पत्र

मेट्रो ट्रेन की शुरुआत से पहले ही आप भोपाल में चलने वाली मेट्रो को न केवल देख सकेंगे बल्कि उसके भीतर भी जा सकेंगे। स्मार्ट रोड पर स्मार्ट पार्क के पास ट्रेन के डिस्प्ले की तैयारी की जा रही है। अगले महीने तक कोच के आने पर वहां डिस्प्ले के लिए रखा जाएगा। जानकारी के अनुसार मेट्रो रेल कंपनी ने इस संबंध में नगर निगम को पत्र लिखा है।

डिपो के लिए खुदाई में निकले 60 हजार घन मीटर पत्थर की नीलामी

स्टड फार्म की जमीन पर निर्माणाधीन डिपो के लिए चल रही खुदाई में अब तक 60 हजार घन मीटर पत्थर निकाला जा चुका है। डिपो पर लगे पत्थर के इस ढेर को बेचने की तैयारी है। सामान्य कैटेगरी के इस पत्थर का उपयोग गिट्टी बनाने में हो सकता है। इस पत्थर को बेचकर मेट्रो रेल कंपनी 1 लाख 80 हजार रुपए की रॉयल्टी चुकाएगी।

मुख्यमंत्री ने दिसंबर 2026 तक प्रोजेक्ट पूरा करने का टारगेट दिया

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मप्र मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन को वर्ष 2026 तक प्रोजेक्ट पूरा करने का टारगेट दिया है। इस साल सितंबर में मेट्रो का ट्रायल होना है। इसके लिए मेट्रो प्रोजेक्ट के लिए काम कर रही टीम साप्ताहिक और मासिक ही नहीं बल्कि रोजाना का टारगेट तय करके 24 घंटे काम जारी है। भोपाल में वाया डक्ट का काम लगभग पूरा हो गया है। डिपो और स्टेशन का काम तेजी से जारी है।

MPMETRO

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
19	Nai Dunia	Bhopal	12 .03.2023	02	मेट्रो पटरी पर दोडेगी गुजरात की बोगियाँ, एक बार मे सफर कर सकें	Neutral

मेट्रो पटरी पर दौड़ेंगी गुजरात की बोगियां, एक बार में सफर कर सकेंगे 970 यात्री

भोपाल (नवदुनिया प्रतिनिधि)। भोपाल और इंदौर की मेट्रो पटरी पर गुजरात की बोगियां दौड़ेंगीं। इन्हें फ्रांस की एल्सटाम ट्रांसपोर्ट इंडिया लिमिटेड कंपनी द्वारा बनाया जाएगा। मध्यप्रदेश सरकार के नगरीय विकास एवं आवास मंत्री भूपेंद्र सिंह 13 मार्च को बड़ोदरा में मेट्रो ट्रेन की यूनिट का शुभारंभ करेंगे और इसके बाद यहां कोच और बोगियां बनना शुरू हो जाएंगी। बता दें कि भोपाल में 6.22 किमी और इंदौर में 5.9 किमी लंबे मेट्रो रूट का काम चल रहा है। भोपाल में सितंबर तक मेट्रो दौड़ेगी और इंदौर में ट्रायल किए जाने का लक्ष्य है। भोपाल में पिलर और गर्डर लांचिंग का काम पूरा हो चुका है। अब मेट्रो स्टेशन और पटरी बिछाने का काम तेजी से चल रहा है। इंदौर में भी काम की रफ्तार तेज कर दी गई है। ताकि विधानसभा चुनाव से पहले मेट्रो दिखाई देने लगे। बताया जाता है कि बोगियां बनाने का काम पहले ही शुरू हो चुका है ताकि समय पर इन्हें इंदौर और भोपाल पहुंचाया जा सके।

- मंत्री भूपेंद्र सिंह बड़ोदरा में 13 मार्च को करेंगे मेट्रो ट्रेन यूनिट का शुभारंभ
- भोपाल में 6.22 किमी और इंदौर में 5.9 किमी रूट पर चल रहा काम

भोपाल को मिलेंगी 81 बोगियां: जानकारी के अनुसार 1400 करोड़ रुपये में एल्सटाम ट्रांसपोर्ट इंडिया लिमिटेड कंपनी भोपाल के लिए 81 और इंदौर के लिए 75 बोगियां बना रही है। ये बोगियां कई मायने में खास होंगी। एक ट्रेन सेट में तीन बोगी होंगी। इनमें 970 यात्री सफर कर सकेंगे। बोगियां ऐसे तैयार हो रही हैं ताकि भीड़ बढ़ने पर यात्री आसानी से सफर कर सकेंगे। हर कोच 2.9 मीटर चौड़ा व 22 मीटर लंबा होगा। कंपनी ने यात्रियों का जो गणित लगाया है उसके अनुसार एक वर्ग मीटर में आठ यात्री होंगे। इनमें खड़े व बैठने वाले यात्री शामिल हैं। इस हिसाब से एक बोगी को 970 यात्रियों के हिसाब से बनाया जा रहा है।

रानी कमलापति की ओर जा रहे मेट्रो प्रोजेक्ट का दृश्य बोर्ड आफिस चौराहा से लिया गया है। ● नवदुनिया

भोपाल में मेट्रो रूट का तेजी से चल रहा है काम

भोपाल मेट्रो का काम तेजी पर चल रहा है। अभी एम्स से सुभाष नगर अंडरब्रिज तक आठ स्टेशन एम्स, अलकापुरी, बोर्ड आफिस, रानी कमलापति रेलवे स्टेशन, डीबी सिटी, एमपी नगर जोन एक, आयकर भवन और सुभाष नगर अंडरब्रिज में बन रहे हैं। कुछ स्टेशनों का काम दिखाई देने लगा है तो कुछ का काम अभी काफी बाकी है। रानी कमलापति रेलवे स्टेशन और डीबी सिटी जैसे चहल-पहल वाले स्थानों पर फुटओवर ब्रिज बनेंगे। भोपाल मेट्रो प्रोजेक्ट का तीसरा बड़ा काम डिपो का है जो 323 करोड़ रुपये से सुभाषनगर अंडरब्रिज के पास स्टड फार्म की 26 .41 हेक्टेयर जमीन पर बनाया जा रहा है।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
20	Hari Bhoomi	Bhopal	12 .03.2023	05	कल मेट्रो ट्रेन सेट यूनिट की नगरीय विकास मंत्री सिंह करेंगे शुरुआत	Neutral

हरिभूमि

भोपाल - मुख्य संस्करण

12 Mar 2023

बड़ोदरा में बनना हैं भोपाल और इंदौर मेट्रो कोच की बोगियां

कल मेट्रो ट्रेन सेट यूनिट की नगरीय विकास मंत्री सिंह करेंगे शुरुआत

इंदौर-भोपाल में तेजी से चल रहा है मेट्रो स्टेशन और पटरी बिछाने के काम

अगले माह के अंत तक कुछ कोच भोपाल पहुंचने की संभावना

बोगियों का काम पहले ही हो चुका शुरू सितंबर तक मेट्रो दौड़ने का टारगेट

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

प्रदेश के नगरीय विकास एवं आवास मंत्री भूपेंद्र सिंह बड़ोदरा गुजरात में मेट्रो ट्रेन की यूनिट का सोमवार को शुभारंभ करेंगे। यहां भोपाल और इंदौर में दौड़ने वाली मेट्रो ट्रेन कोच की बोगियां बनना हैं। फ्रांस की एल्सटॉम ट्रांसपोर्ट इंडिया लिमिटेड कंपनी की यह यूनिट है, जिसे नगरीय विकास एवं आवास मंत्री शुरू करेंगे। भोपाल में 6.22 किमी लंबे मेट्रो रूट का काम चल रहा है, क्यों कि सितंबर तक मेट्रो दौड़ने का टारगेट है।

भोपाल में पिलर और गर्डर लॉन्चिंग का काम पूरा हो चुका है। अब मेट्रो स्टेशन और पटरी बिछाने का काम तेजी से चल रहा है, ताकि विधानसभा चुनाव से पहले मेट्रो दिखाई देने लगे। इसके चलते ही मेट्रो ट्रेन सेट की यूनिट का शुभारंभ 13 मार्च को किया जा रहा है। अधिकारियों के अनुसार अगले माह के अंत में कुछ कोच भोपाल पहुंचने की उम्मीद है। क्योंकि बोगियां बनाने का काम पहले ही शुरू हो चुका है।

एल्सटॉम ट्रांसपोर्ट इंडिया लिमि. कंपनी बना रहीं बोगियां

एल्सटॉम ट्रांसपोर्ट इंडिया लिमिटेड कंपनी भोपाल के लिए 81 और इंदौर के लिए 75 बोगियां बना रही है। एक ट्रेन सेट में तीन बोगी होंगी। इसमें 970 यात्री सफर कर सकेंगे। कंपनी बोगियों को ऐसे तैयार कर रही हैं, ताकि भीड़ बढ़ने पर भी यात्री आसानी से सफर कर सकें। हर कोच 2.9 मी. चौड़ा और 22 मी. लंबा होगा। कंपनी तो यात्रियों का जो कैलकुलेशन किया है, उस हिसाब से एक वर्ग मीटर में 8 यात्री होंगे। इनमें खड़े और बैठने वाले यात्री शामिल हैं। इस हिसाब से एक बोगी को 970 यात्रियों लायक बनाया जा रहा है।

भोपाल मेट्रो के अभी यह काम चल रहे

- एम्स से सुभाष नगर अंडरब्रिज तक आठ स्टेशन एम्स, अलकापुरी, डीआरएम ऑफिस, रानी कमलापति रेलवे स्टेशन, गायत्री मंदिर के पास, एमपी नगर जोन 1, आयकर भवन और सुभाष नगर अंडरब्रिज में बन रहे हैं। रानी कमलापति रेलवे स्टेशन और एमपी नगर जैसे चहल-पहल वाले स्थानों पर फुटओवर ब्रिज एफओबी बनेंगे।
- भोपाल मेट्रो प्रोजेक्ट का बड़ा काम डिपो का है, जो 323 करोड़ रुपए से सुभाषनगर अंडरब्रिज के पास स्टड फॉर्म की 26.41 हेक्टेयर, 65.26 एकड़ जमीन पर बनाया जा रहा है। यहां एक साथ 4 मेट्रो ट्रेन खड़ी हो सकेंगी। यहां न केवल मेट्रो का रखरखाव होगा, बल्कि कंट्रोलिंग सिस्टम भी यहीं होगा। सिग्नलिंग, कम्युनिकेशन, पावर सप्लाई सब कुछ यहीं से होगा।
- एम्स से सुभाषनगर का रूट बनने के बाद सुभाष नगर से करोंद के बीच यानी बाकी के 9.83 किलोमीटर मेट्रो रूट का काम होगा। इस रूट पर 39 एकड़ से ज्यादा जमीन का अधिग्रहण किया जा रहा है। अलग-अलग लोकेशन की लगभग 8 एकड़ जमीन पर 5 प्लाजा, 6 स्टेशन, 4 पार्किंग, 2 यार्ड बनेंगे। पुराने शहर में अतिरिक्त पार्किंग व्यवस्था पर फोकस है। पुल बोगदा के पास मेट्रो का जंक्शन बनेगा। यहां दोनों लाइनें आकर मिलेंगी। पुल बोगदा से मेट्रो अंडरग्राउंड हो जाएगी। पहला अंडरग्राउंड स्टेशन मुख्य रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 6 की तरफ बनेगा। जहां ईरानी डेरे की जमीन ली गई है। नादरा बस स्टैंड का मेट्रो स्टेशन भी अंडरग्राउंड रहेगा।

MPMETRO

METRO NEWS

13th March,2023

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
21	Dainik Bhaskar	Bhopal	13.03.2023	J4	मेट्रो: सितं अप्रैल मे शुरू होगा संचालन, 90 की स्पीड से दोड़ेगी	Neutral

दैनिक भास्कर **भोपाल** 13-03-2023

मेट्रो : सितंबर में होगा ट्रायल, अगले साल अप्रैल में शुरू होगा संचालन, 90 की स्पीड से दौड़ेगी

सिटी रिपोर्टर | भोपाल

भोपाल मेट्रो का ट्रायल सितंबर में होने के बाद इसका संचालन अगले साल अप्रैल में शुरू हो जाएगा। यानी ट्रायल के बाद प्रायोरिटी रूट पर मेट्रो के संचालन में सात महीने का समय और लगेगा। संचालन शुरू होने पर हर 90 मिनट में मेट्रो स्टेशन पर मिलेगी। मेट्रो को इस तरह से डिजाइन किया गया है कि वह 90 किमी प्रति घंटे की गति से चलेगी। शुरुआत में मेट्रो ड्राइवर द्वारा चलाई जाएगी, लेकिन दो से तीन साल बाद मेट्रो का ड्राइवर लेस संचालन होगा। फिलहाल दिल्ली में केवल एक लाइन पर ड्राइवर लेस मेट्रो का संचालन होता है।

सितंबर में मेट्रो के ट्रायल के लिए चल रही तैयारियों के बीच सोमवार को नगरीय आवास एवं विकास मंत्री भूपेंद्र सिंह सांवली (गुजरात) में कोच निर्माण का शुभारंभ करेंगे। प्रदेश सरकार ने इस साल मेट्रो के लिए 710 करोड़ रुपए का बजट आवंटन किया है। केंद्र की तरफ से भी इतनी ही राशि मिलेगी। इससे प्रोजेक्ट के काम तेजी से हो सकेंगे। भोपाल में 3 कोच की 27 ट्रेन चलेंगी। एक कोच की लंबाई 22 मीटर और चौड़ाई 2.9 मीटर होगी।

मेट्रो में यह सुविधाएं भी होंगी

मेट्रो स्टेशन और ट्रेन में इमरजेंसी हेल्प पॉइंट सिस्टम, पब्लिक एड्रेस सिस्टम, पैसेंजर इंफार्मेशन सिस्टम, वॉयस रिकॉर्डिंग सिस्टम और सीसीटीवी की सुविधाएं भी होंगी।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
22	Hari Bhoomi	Bhopal	13.03.2023	01	इसी साल अगस्त के अंतिम सप्ताह में शुरू हो जाएगा भोपाल मेट्रो का ट्रायल	Neutral

हरिभूमि

भोपाल - मुख्य संस्करण

13 Mar 2023

हरिभूमि

भोपाल भूमि फ्रंट पेज

भोपाल, सोमवार 13 मार्च 2023

4 सरकार के काम को हर बूथ तक लेकर जाएं भाजपा...

8 रंगपंचमी पर बाल विहार कॉलोनी से निकला ...

इसी साल अगस्त के अंतिम सप्ताह में शुरू हो जाएगा भोपाल मेट्रो का ट्रायल

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

भोपाल मेट्रो का निर्माण कार्य काफी तेज गति से चल रहा है और कंपनी के अधिकारियों को उम्मीद है इसका ट्रायल सितंबर की जगह अगस्त के अंत तक किया जा सकता है। इसलिए नई डेड लाइन अगस्त माह का अंतिम सप्ताह या सितंबर माह के पहले हफ्ते को तय कर दिया गया है। क्योंकि इसी क्रम में विधिवत पूजा का कार्यक्रम मैसर्स अल्स्टॉम ट्रांसपोर्ट इंडिया लिमिटेड द्वारा बड़ोदरा (गुजरात) के पास उनके सावली संयंत्र में रखा गया है।

पूजा का कार्यक्रम सोमवार को मध्य प्रदेश के नगरीय विकास एवं आवास मंत्री भूपेंद्र सिंह की सहभागिता में प्रातः 9 बजे से 11 बजे तक रखा गया है। उनके साथ प्रमुख सचिव नगरीय प्रशासन नीरज मंडलोई, मेट्रो प्रबंध संचालक मनीष सिंह, परियोजना निदेशक अजय शर्मा, निदेशक वित्त नीति कोठारी, निदेशक सिस्टम शोभित टंडन एवं मेट्रो परियोजना से अन्य अधिकारी भी मौजूद रहेंगे। इसके शुरू होने के बाद मेट्रो की बोगियां आना शुरू हो जाएंगी। मध्य प्रदेश मेट्रो रेल कॉरपोरेशन के प्रबंध संचालक मनीष सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री के निर्देशों के तहत मेट्रो निर्माण कार्य मे गति लाई गई है। सभी कार्य तय समयसीमा मे पूर्ण कर लिए जाएंगे।

1. आज मंत्री भूपेंद्र बड़ोदरा में करेंगे मेट्रो ट्रेन कोच यूनिट का शुभारंभ
2. दिसंबर 2026 तक भोपाल मेट्रो का पहला चरण हो जाएगा संपूर्ण
3. सुभाष नगर से एम्स, रत्नागिरी, करोंद और भदभदा तक दौड़ने लगेगी मेट्रो

मेट्रो कंपनी ने जारी की सूचना

मध्य प्रदेश मेट्रो रेल कार्पोरेशन द्वारा जारी सूचना के अनुसार प्रथम फेज के तहत दिसंबर 2026 में मेट्रो ट्रेन का संचालन शुरू कर दिया जाएगा। भोपाल में पहले फेज का मार्ग 30.95 किमी व इंदौर में 31.46 किमी का होगा। वहीं, प्राथमिकता कॉरिडोर के तहत भोपाल एवं इंदौर में लगभग 5 तथा 6 किमी पर ट्रायल रन इस वर्ष अगस्त अंत अथवा सितंबर 2023 में तैयारी की जा रही है।

बजट में अब तक मिल चुके हैं 710 करोड़ रुपए

मेट्रो कंपनी के अनुसार इस वर्ष बजट सत्र में 710 करोड़ रुपए राज्य का 20 प्रतिशत शेयर आवंटित करने की घोषणा का प्रावधान किया गया है। साथ ही केंद्र की तरफ से दी जाने वाली 20 प्रतिशत राशि शेयर भी जल्द ही प्राप्त हो जाएगी, जिससे दोनों परियोजनाओं को ओर गति मिलेगी।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
23	नवदुनिया	Bhopal	13.03.2023	02	31 अगसत तक भोपाल आएगी पहली मेट्रो, 90 किमी प्रतिघं	Neutral

प्रोजेक्ट सावली में आज मंत्री भूपेंद्र सिंह करेंगे मेट्रो निर्माण कारखाने का शुभारंभ

31 अगस्त तक भोपाल आएगी पहली मेट्रो, 90 किमी प्रतिघंटा होगी रफ्तार

भोपाल (नवदुनिया प्रतिनिधि)। गुजरात के बड़ोदरा स्थित सावली में मेट्रो निर्माण के लिए अल्सटाम ट्रांसपोर्ट इंडिया कारखाना लगाने जा रहा है। इसका निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। सोमवार को मप्र के नगरीय प्रशासन मंत्री भूपेंद्र सिंह इस कारखाने का शुभारंभ करेंगे। इसके बाद मेट्रो ट्रेन का निर्माण शुरु कर दिया जाएगा। 31 अगस्त 2023 तक भोपाल व इंदौर में एक-एक मेट्रो ट्रेन की आपूर्ति शुरु कर दी जाएगी। भोपाल व इंदौर में मेट्रो ट्रेन की रफ्तार 90 किलोमीटर प्रतिघंटा रहेगी।

बता दें कि मेट्रो के वरिष्ठ अधिकारी रविवार को ही सावली पहुंच गए हैं। जबकि मंत्री भूपेंद्र सिंह सोमवार को सावली स्थित मेट्रो संयंत्र पहुचेंगे। जहां सुबह नौ से 11 बजे तक विधिवत पूजन के बाद

उत्पादन संयंत्र का शुभारंभ करेंगे। इस दौरान उनके साथ प्रमुख सचिव नगरीय प्रशासन नीरज मंडलोई, मेट्रो के प्रबंध संचालक मनीष सिंह, परियोजना निदेशक अजय शर्मा समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहेंगे। भोपाल में 81 कार (डिब्बे) (तीन कारों की 27 ट्रेन) तथा इंदौर में 75 कार (डिब्बे) (3 कारों की 25 ट्रेन) का निर्माण प्रस्तावित है। मेट्रो कार की लंबाई 22 मीटर तथा चौड़ाई 2.9 मीटर होगी। दोनों ही शहरों में मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार

हर 90 सेकंड में मिलेगी मेट्रो ट्रेन

यात्रियों को मेट्रो स्टेशन पर ट्रेन का अधिक इंतजार नहीं करना पड़ेगा। हर 90 सेकंड में यात्रियों को मेट्रो मिलेगी। पहले चरण में भोपाल में 30.9 किलोमीटर के मार्ग में मेट्रो का संचालन होगा। मेट्रो रेल परियोजना के लिए रोलिंग स्टाक कारों के रखरखाव 15 वर्ष तथा सिग्नलिंग, ट्रेन नियंत्रण और दूरसंचार प्रणालियों के लिए सात वर्ष तक व्यापक रखरखाव करने की जिम्मेदारी निर्माण एजेंसी की होगी।

31 सितंबर 2023 से पहले प्रायोरिटी कारिडोर में मेट्रो का ट्रायल रन होना है। जबकि संचालन मार्च 2024 से शुरु होगा।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
24	पत्रिका	भोपाल	13.03.2023	02	कोच निर्माण कार्य आज से	Neutral

कोच निर्माण कार्य आज से

एआइ तकनीक से राजधानी में बिना ड्राइवर दौड़ेगी मेट्रो

पत्रिका इंडेप्थ स्टोरी

प्रायोरिटी कॉरीडोर में सितंबर 2023 तक सभी काम पूरा करने का लक्ष्य

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

भोपाल. भोपाल- इंदौर में मेट्रो अब बिना ड्राइवर के चलेगी। इसके लिए आर्टिफिशियली इंटेलीजेंस की मदद ली जाएगी। हालांकि शुरुआत में मेट्रो को ड्राइवर ही ऑपरेट करेगा, लेकिन बाद ड्राइवरलेस हो जाएगी। इसमें अत्याधुनिक सिग्नलिंग तकनीक ग्रेड ऑफ ऑटोमेशन-4 यानी अन- अटेंडेंड ट्रेन ऑपरेशन मोड ड्राइवरलेस का उपयोग किया जाएगा।

इसके अलावा इमरजेंसी हेल्प पॉइंट, पब्लिक एड्रेस, पैसेंजर इनफॉर्मेशन, वॉयस रिकॉर्डिंग सिस्टम, सीसीटीवी की सुविधा भी होगी। गौरतलब है कि प्रदेश सरकार ने 20 प्रतिशत शेयर आवंटित करने की घोषणा का प्रावधान किया है। वहीं केंद्र की ओर से दी जाने वाली 20 प्रतिशत राशि, शेयर भी जल्द ही प्राप्त हो जाएगी। 31 अगस्त तक 3.3 कोच भोपाल में और 1.1 ट्रेन इंदौर आएंगे।

इसी साल छह किमी पर ट्रायल रन

मेट्रो के कोच अल्स्टॉम ट्रांसपोर्ट इंडिया के वडोदरा, गुजरात सावली संयंत्र में बनाए जाएंगे। सितम्बर 2023 तक सभी जरूरी निर्माण के साथ दिसंबर 2026 में मेट्रो का संचालन शुरू किया जाएगा। पहले फेज में भोपाल में 30.95 किमी व इंदौर में 31.46 किमी का काम पूरा होगा। प्रायोरिटी कॉरिडर में भोपाल में करीब साढ़े तीन किमी और इंदौर में 6 किमी पर ट्रायल रन अगस्त के अंत या सितंबर 2023 माह में कराए जाने की तैयारी की जा रही है।

मेट्रो के लिए बन रहे हैं स्मार्ट कोच

22 मीटर मेट्रो की लंबाई और चौड़ाई 2.9 मीटर होगी

90 मिनट होगा दो ट्रेनों के बीच न्यूनतम समय

90 किमी प्रति घंटा संचालन की गति पर डिजाइन प्रस्तावित

750 वॉट डीसी थर्ड रेल तकनीक से की जाएगी बिजली आपूर्ति ।

15 साल होगा रोलिंग स्टॉक रखरखाव व सिग्नलिंग, नियंत्रण और दूरसंचार के लिए 7 साल का वक्त

81 डिब्बों से 27 ट्रेन बनेगी भोपाल के लिए मेट्रो के लिए। तीन डिब्बों की एक ट्रेन होगी। इंदौर के लिए 75 डिब्बों से 25 ट्रेन बनेगी।

पत्रिका एक्सपर्ट व्यू

मेट्रो शुरू होने से इस साल आखिर तक या 2024 की पहली तिमाही तक एम्स से एमपी नगर और यहां से सुभाष ब्रिज तक ट्रैफिक सघनता में बड़ा बदलाव होगा। कम से कम 20 हजार लोग नर्मदापुरम रोड से लेकर मानसरोवर और एमपी नगर तक की सड़कों से घट जाएंगे। धीरे-धीरे मेट्रो में सफर आदत बनेगी तो सड़क से ट्रैफिक भी उसी दर से घट जाएगा।

अब्दुल मजीद, स्ट्रक्चरल इंजीनियर

मेट्रो ट्रेन कोच निर्माण सोमवार से शुरू हो जाएगा। तय समय में इसकी आपूर्ति कर दी जाएगी।

मनीषसिंह, एमडी, मेट्रो ट्रेन कारपोरेशन

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
25	पीपुल्स समाचार	भोपाल & इं	13.03.2023	02	भोपाल और इंदौर में चुनाव के बाद ही पटरी पर दोड़ेगी मेट्रो	Neutral

बदलते जमाने का अखबार
पीपुल्स समाचार
इंदौर सिटी Page: 2 March 13, 2023

इंजन और कोच पटरी पर आने के बाद ही लगेंगी चेयर

भोपाल और इंदौर में चुनाव के बाद ही पटरी पर दौड़ेगी मेट्रो

पीपुल्स ब्यूरो • भोपाल
मो.नं. 9827334317

विधानसभा चुनाव से पहले भोपाल और इंदौर शहर में मेट्रो पटरी पर आ जाएगी, लेकिन पटरी पर दौड़ाने का काम नई सरकार बनने के ठीक बाद और लोकसभा चुनाव के पहले शुरू कर दिया जाएगा। इसके लिए सरकार ने पूरी तैयारी कर ली है, इस संबंध में वहां के इंजीनियरों और इस प्रोजेक्ट में काम करने वाली सभी कंपनियों को सितंबर तक की डेडलाइन दी है। भोपाल में 6 स्टेशन और इंदौर शहर में 8 स्टेशन भी खुल जाएंगे। इन स्टेशनों के जरिए यात्रियों के मैनेजमेंट और उसकी सुविधाओं पर काम किया जाएगा।

मेट्रो इंजन और डिब्बों में चेयर व्यवस्था का काम पटरी पर ही होगा। इंजन का काम भी सितंबर से शुरू किया जाएगा। पांच से सात माह के अंदर मेट्रो को पटरी पर दौड़ाने की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। स्टेशन में यात्रियों के स्टेशन के अंदर आने और बाहर जाने के फ्लो को देखा जाएगा। वहां उनकी सुरक्षा, टिकट वितरण काउंटरों को व्यवस्थित करने पर काम किया जाएगा। पार्किंग तैयार करना और उसमें पीपीपी मॉडल से पार्किंग शुल्क वसूली के लिए भी टेंडर जारी किए जाएंगे।

सिग्नल का तालमेल बड़ा काम

पटरी बिछाने और मेट्रो दौड़ाने से पहले सिग्नल की सेटिंग तैयार करना मध्यप्रदेश मेट्रो कॉर्पोरेशन सबसे बड़ा काम मान रही है। क्योंकि बिना किसी रुकावट और बिना बाधा के मेट्रो के संचालन के लिए सिग्नल की बेहतर सेटिंग करना जरूरी होगा। इसके बाद भी बिना यात्रियों के इसका कई दिनों तक ट्रायल किया जाएगा। ट्रायल के बाद जो खामियां सामने आएंगी उन्हें दूर किया जाएगा। इसके लिए इंजीनियरों की एक कमेटी होगी। कमेटी की अनुमति के बाद ही यात्रियों के साथ मेट्रो का संचालन होगा।

सीसीटीवी की निगरानी में रहेंगे मेट्रो के स्टेशन

मेट्रो के सभी स्टेशन सीसीटीवी की निगरानी में होंगे। जगह-जगह क्लोज सर्किट कैमरे लगाए जाएंगे, जिनका नियंत्रण कंट्रोल रूम से किया जाएगा। स्टेशन के अंदर और बाहर दोनों जगह कैमरे लगाए जाएंगे। स्टेशनों पर सामान्य पुलिस के अलावा मेट्रो की अलग सुरक्षा एजेंसी होगी।

सितंबर 2023 तक मेट्रो रेल के कोच पटरी पर आ जाएंगे

मेट्रो के कोच सितंबर तक पटरी पर आ जाएंगे। इसके लिए सभी अधिकारियों और मेट्रो प्रोजेक्ट में तमाम तरह के काम करने वाली एजेंसियों को तैयार रहने के लिए कहा गया है। मेट्रो कंपनी को इसके लिए पर्याप्त बजट भी उपलब्ध करा दिया गया है।

नीरज मंडलोई, प्रमुख सचिव,
नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग

MPMETRO

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
26	Free Press	Bhopal	13.03.2023	03	Minister to inaugurate coach manufacturing today	Neutral

METRO TRAIN BHOPAL, INDORE

Minister to inaugurate coach manufacturing today

OUR STAFF REPORTER
city.bhopal@fpj.co.in

Urban Administration Department Minister Bhupendra Singh will inaugurate the manufacturing process of coaches of Madhya Pradesh Metro Rail at Savali plant unit of Alstom Transport India in Vadodra in Gujarat on Monday. By August 31, one metro train of three coaches will arrive in Bhopal and Indore.

The first phase of the project will commence in December 2026 in both the cities. Under this, Bhopal will have 30.95-km metro route while Indore will have 31.46-km metro route.

The length of metro train will be 22 metres and breadth will be of 2.9 metres. Their operation speed will be 90 km per hour. The electricity supply will be based on 750 V DC (3rd Rail) technique. Bhopal and Indore Metro will be based on modern signalling technique GoA-4 (Grade of Automation-4) and Unattended Train Operation Mode (driverless). In the beginning, Metro train in Bhopal and Indore will be run by operator and after two to three years, trains will be operated in unattended train operation mode. Across India, this technique is used only in one line of Delhi Metro.

MPMETRO

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
27	Raj Express	Bhopal	13.03.2023	11	मंत्री भूपेन्द्र सिंह आज बड़ोदरा में करेंगे मेट्रो ट्रेन सेट की यूनिट का शुभारंभ	Neutral

मंत्री भूपेंद्र सिंह आज बडोदरा में करेंगे मेट्रो ट्रेन सेट की यूनिट का शुभारंभ

गुजरात में बनेंगे भोपाल इंदौर मेट्रो के कोच

भोपाल (आरएनएन)। मप्र के दो बड़े शहर भोपाल और इंदौर में दौड़ने वाली मेट्रो ट्रेन के कोच गुजरात में बनेंगे। फ्रांस की एल्सटॉम ट्रांसपोर्ट इंडिया लिमिटेड कोच बनाएगी। सोमवार, 13 मार्च को प्रदेश के नगरीय विकास एवं आवास मंत्री भूपेंद्र सिंह बडोदरा में मेट्रो ट्रेन की यूनिट का शुभारंभ करेंगे। इसके बाद कोच बनकर भोपाल और इंदौर आएंगे।

बता दें कि भोपाल में 6.22 किमी और इंदौर में 5.9 किमी लंबे मेट्रो रूट का काम चल रहा है। भोपाल में सितंबर तक मेट्रो दौड़ने और इंदौर में ट्रायल किए जाने का टारगेट है। भोपाल में पिलर और गर्डर लॉन्चिंग का काम पूरा हो चुका है। अब मेट्रो स्टेशन और पटरी बिछाने का काम तेजी से चल रहा है। इंदौर में भी काम की रफ्तार तेज कर दी गई है। ताकि, विधानसभा चुनाव से पहले मेट्रो दिखाई देने लगे। इसके चलते ही मेट्रो ट्रेन सेट की यूनिट का शुभारंभ 13 मार्च को किया जा रहा है। अगले कुछ समय में कोच भोपाल और इंदौर में पहुंचेंगे। बताया जाता है कि बोगियां बनाने का काम पहले ही शुरू हो चुका है। ताकि, समय पर उन्हें इंदौर और भोपाल पहुंचाया जा सके। मंत्री भूपेंद्र सिंह यूनिट का निरीक्षण भी करेंगे। जानकारी के अनुसार, 1400 करोड़ रु. में एल्सटॉम ट्रांसपोर्ट इंडिया लिमिटेड कंपनी भोपाल के लिए 81 और इंदौर के लिए 75 बोगियां बना रही है। ये बोगियां कई मायने में खास होंगी। एक ट्रेन सेट में तीन बोगी होंगी। इसमें 970 यात्री सफर कर सकेंगे। कंपनी बोगियों को ऐसे तैयार कर रही है, ताकि भीड़ बढ़ने पर भी यात्री आसानी से सफर कर सकें। हर कोच 2.9 मीटर चौड़ा और 22 मीटर लंबा होगा। कंपनी तो यात्रियों का जो कैलकुलेशन किया है, उस हिसाब से एक वर्ग मीटर में आठ यात्री होंगे। इनमें खड़े और बैठने वाले यात्री शामिल हैं। इस हिसाब से एक बोगी को 970 यात्रियों लायक बनाया जा रहा है।

2026 का टारगेट, सितंबर से ट्रायल

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के निर्देशानुसार भोपाल और इंदौर दोनों मेट्रो परियोजनाओं के लिए संपूर्ण कार्य तेज गति से चल रहे हैं, जिसके तहत प्रथम फेज दिसंबर, 2026 में मेट्रो ट्रेन का संचालन शुरू कर दिया जाएगा। प्रथम फेज के लिए भोपाल में 30.95 किमी एवं इंदौर 31.46 किमी का होगा तथा इसके अंतर्गत प्राथमिकता कॉरिडर पर भोपाल एवं इंदौर में लगभग 5 तथा 6 किमी पर ट्रायल रन इस वर्ष अगस्त अंत अथवा सितंबर 2023 में कराए जाने की तैयारी की जा रही है। इस वर्ष बजट सत्र में 710 करोड़ रुपए राज्य का 20 प्रतिशत शेयर आवंटित करने की घोषणा कर प्रावधान किया गया है। साथ ही केंद्र की तरफ से दी जाने वाली 20 प्रतिशत राशि-शेयर भी जल्द ही प्राप्त हो जाएगी, जिससे दोनों परियोजनाओं को और गति मिलेगी। मेट्रो के डिब्बे का निर्माण प्रारंभ होना इसमें सहायक होगा।

MPMETRO

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
28	Dainik Jagran	Bhopal	13.03.2023	03	इंदौर -भोपाल में 3-3 कोच से होगी मेट्रो की शुरुआत, 90 रहेगी अधिकतम स्पीड	Neutral

इंदौर-भोपाल में 3-3 कोच से होगी मेट्रो की शुरूआत, ९० रहेगी अधिकतम स्पीड

31 अगस्त तक आ जाएगी कोच व ट्रेन, सितम्बर से शुरू होगा ट्रायल, दो ट्रेनों के बीच ९० सेकेंड का होगा अंतर

शहर संवाददाता, भोपाल । भोपाल और इंदौर में मेट्रो के संचालन को लेकर कवायद तेज कर दी गई है। दोनों मेट्रो परियोजनाओं की शुरूआत 3-3 कोच की ट्रेन से होगी। 31 अगस्त तक कोच व ट्रेन आ जाएगी। दो ट्रेनों के बीच न्यूनतम समय 90 सेकेंड का होगा। संचालन की गति 90 किमी प्रति घंटा रहेगी। प्रथम फेज भोपाल में 30.95 किमी एवं इंदौर 31.46 किमी का होगा। इसके अंतर्गत प्राथमिकता कॉरिडोर पर भोपाल एंव इंदौर में लगभग 3 तथा 6 किमी पर ट्रायल रन इस वर्ष अगस्त अंत अथवा सितम्बर में कराए जाने की तैयारी की जा रही है।

दरअसल भोपाल-इंदौर मेट्रो परियोजना में प्राथमिकता कॉरिडोर्स में गाड़ी संचालन अप्रेल 2024 में प्रस्तावित है। इसके लिए अगस्त अंत या सितम्बर तक सभी आवश्यक कार्य को पूर्ण करके गाड़ी का परीक्षण शुरू करने का लक्ष्य रखा गया है। मध्यप्रदेश मेट्रो रेल कॉरपोरेशन के प्रबंध संचालक मनीष सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री के निर्देशों के तहत मेट्रो निर्माण कार्य में तेजी लाई गई है। सभी कार्य तय समय सीमा में पूर्ण कर लिये जाएंगे।

2-3 साल बाद बिना ऑपरेटर के होगा संचालन, अभी दिल्ली की एक लाइन में हो रहा उपयोग : भोपाल एवं इंदौर मेट्रो अत्याधुनिक सिगनलिंग तकनीक ग्रैड ऑफ ऑटोमेशन-4 अनअटेन्डड ट्रेन ऑपरेशन मोड (ड्राइवरलेस) पर आधारित होगी। शुरूआत में भोपाल एंव इंदौर मेट्रो ड्राइवर-ट्रेन ऑपरेटर के द्वारा चलाई जाएगी। भविष्य मं 2-3 वर्ष के बाद बिना अनअटेन्डड ट्रेन ऑपरेशन मोड में बिना ड्राइवर-ऑपरेटर के संचालन होगा। भारत में अभी केवल दिल्ली मेट्रो की एक लाइन में इस तकनीक का उपयोग किया जा रहा है।

14 को नगरीय प्रशासन मंत्री मेट्रो के रोलिंग स्टॉक कार्य को दिखाएंगे हरी झंडी

इस वर्ष बजट सत्र में 710 करोड़ रुपए राज्य का 20 प्रतिशत शेयर आवंटित करने की घोषणा कर प्रावधान किया गया है। साथ ही केन्द्र की तरफ से दी जाने वाली 20 प्रतिशत राशि भी जल्द प्राप्त हो जाएगी। जिससे दोनों परियोजनाओं को ओर गति मिलेगी। कोच मेट्रो के डिब्बे का निर्माण शुरू हो सकेगा। इसके तहत नगरीय प्रशासन मंत्री भूपेन्द्र सिंह 14 मार्च को अल्स्टॉम ट्रांसपोर्ट इंडिया के वडोदरा गुजरात सावली संयंत्र यूनिट में मध्यप्रदेश मेट्रो के रोलिंग स्टॉक का कार्य को हरी झंडी दिखाएंगे। 31 अगस्त तक 3-3 कोच की 1-1 ट्रेन इंदौर एवं भोपाल में आ जाएगी।

यह रहेगी विशेषताएं

- भोपाल में 81 कार डिब्बे (3 कारो) की 27 ट्रेन तथा इंदौर में 75 कार डिब्बे (3 कारों) की 25 ट्रेन का निर्माण प्रस्तावित है। मेट्रो कार की लंबाई 22 मीटर तथा चौड़ाई 2.9 मीटर होगी।
- दो ट्रेनों के बीच न्यूनतम समय 90 सेकेंड का होगा तथा संचालन की गति 90 किमी प्रति घंटा डिजाइन पर प्रस्तावित है।
- बिजली की आपूर्ति के लिए 750 वी डीसी पर आधारित होगी।
- अत्याधुनिक टेलीकम्यूनिकेशन सिस्टम के अंतर्गत ईमरजेंसी हेल्प पाइंट सिस्टम, पब्लिक एड्रेस सिस्टम, पैसेंजर इनफार्मेशन सिस्टम, वायस रिकॉर्डिंग सिस्टम, सीसीटीवी आदि की सुविधा होगी।
- भोपाल मेट्रो रेल परियोजना और इंदौर मेट्रो रेल परियोजना के लिए रोलिंग स्टॉक कारों के व्यापक रखरखाव 15 साल तथा सिग्नलिंग और ट्रेन नियंत्रण और दूरसंचार प्रणालियों के लिए 7 साल तक व्यापक रखरखाव भी शामिल है।

MPMETRO

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
29	Nav Dunia	Bhopal	14.03.2023	01	31 अगसत से पहले भोपाल-इं जाएगी मेट्रो	Neutral

सावली में मंत्री भूपेंद्र सिंह ने किया मेट्रो कारखाने का वर्चुअल शुभारंभ

31 अगस्त से पहले भोपाल इंदौर को मिल जाएगी मेट्रो

भोपाल से मंत्री भूपेंद्र सिंह ने मेट्रो कारखाने का वर्चुअल शुभारंभ किया। ● नवदुनिया

भोपाल (नवदुनिया प्रतिनिधि)। गुजरात के बड़ोदरा स्थित सावली में फ्रांस की अल्सटाम ट्रांसपोर्ट इंडिया लिमिटेड ने मेट्रो रेल इंजन व कोच बनाने के लिए संयंत्र की स्थापना की है। सोमवार को मध्य प्रदेश के नगरीय विकास एवं आवास मंत्री भूपेंद्र सिंह ने इस कारखाने का भोपाल से वर्चुअली शुभारंभ किया। मेट्रो रेल कंपनी के प्रबंध संचालक मनीष सिंह समेत अन्य अधिकारी कार्यक्रम स्थल पर मौजूद रहे।

दरअसल, मंत्री भूपेंद्र सिंह को भी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए गुजरात जाना था, लेकिन विधानसभा सत्र की वजह से ऐन वक्त पर उन्होंने भोपाल से ही वर्चुअली शुभारंभ किया। इस दौरान अल्सटाम इंडिया ने मप्र मेट्रो के अधिकारियों को आश्वासन दिया कि 31 अगस्त तक पहली मेट्रो भोपाल और इंदौर भेज दी जाएगी।

अधिकारियों ने बताया कि भोपाल में पांच और इंदौर में छह किलोमीटर के प्रायोरिटी कारिडोर में 31 सितंबर से पहले मेट्रो ट्रेन का ट्रायल रन शुरू करना है। इसके लिए सिविल कार्य 90 प्रतिशत पूर्ण हो चुके हैं। अभी इसमें रेलवे ट्रैक बिछाने का काम किया जा रहा है। बता दें कि भोपाल के लिए 81 कार (डिब्बे) (तीन कारों की 27 ट्रेन) तथा इंदौर के लिए 75 कार (डिब्बे) (तीन कारों की 25 ट्रेन) का निर्माण प्रस्तावित है। मेट्रो कार की लंबाई 22 मीटर तथा चौड़ाई 2.9 मीटर होगी। दोनों ही शहरों में मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार मेट्रो का संचालन मार्च 2024 से शुरू होना है।

बिना चालक दौड़ेगी भोपाल-इंदौर मेट्रो

भोपाल व इंदौर मेट्रो ट्रेन 750 वोल्ट डीसी (थर्ड रेल) पर आधारित होगी। यह अत्याधुनिक सिग्नलिंग तकनीक गोवा-फोर (बैंड आफ आटोमेशन 4) अनअटेंडेंट ट्रेन आपरेशन मोड (ड्राइवरलेस) पर आधारित होगी। शुरुआत में भोपाल एवं इंदौर मेट्रो ड्राइवर द्वारा ही चलाई जाएगी। भविष्य में अनअटेंडेंट ट्रेन आपरेशन मोड में बिना ड्राइवर या आपरेटर के संचालन होगा। भारत में अभी केवल दिल्ली मेट्रो की एक लाइन में इस तकनीक का उपयोग किया जा रहा है। इसके साथ ही अत्याधुनिक टेलीकम्यूनिकेशन (दूरसंचार) सिस्टम के अंतर्गत इमरजेंसी हेल्प पाइंट सिस्टम, पब्लिक एड्रेस सिस्टम, पैसेंजर इनफार्मेशन सिस्टम, वायस रिकार्डिंग सिस्टम, सीसीटीवी कैमरे की सुविधा होगी।

MPMETRO

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
30	Free Press	Bhopal	14.03.2023	05	Metro coaches to reach Bhopal, Indore by August, trail run in Sept, says minister	Positive

Metro coaches to reach Bhopal, Indore by August, trial run in Sept, says minister

Bhupendra Singh virtually inaugurates manufacturing of metro coaches at Savli plant

OUR STAFF REPORTER
city.bhopal@fpj.co.in

Minister for urban administration Bhupendra Singh said coaches of Bhopal and Indore Metro will arrive by August and trial run will commence in the two cities from September.

The minister was speaking while virtually inaugurating the manufacturing of coaches of Madhya Pradesh Metro Train Corporation at Alstom Transport India's Savli plant in Vadodara on Monday.

The minister hoped that Alstom, as per its reputation, will manufacture high quality and comfortable Metro coaches. The people of Bhopal and Indore will get the opportunity to travel in these comfortable and secure metro coaches, said the minister.

Chief Minister Shivraj Singh Chouhan has instructed for trial run of metro in Bhopal and Indore in September and so the task has to be completed in a time bound manner and Alstom Company will play an important role in accomplishing this, said the minister.

As of now, Metro's civil works are underway at full speed. Under the priority corridor, trial runs of Metro in Bhopal and Indore will be done as per schedule, he added. Alstom Company's Managing Director assured the time bound manufacturing of metro coaches.

All senior officers of Madhya Pradesh Metro Rail Corporation including MD Manish Singh were present at the manufacturing plant.

Later, MD Manish Singh and other officials inspected Savli plant. The Alstom technical team briefed the officials about the coach manufacturing process. They also informed that France's Alstom was also engaged in manufacturing metro coaches for Delhi, Lucknow and other cities in India.

MPMETRO

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
31	Dainik Jagran	भोपाल	13.03.2023	05	वडोदरा मे मेट्रो कोच बनना शुरू, 31 अगसत से पहले लाने का टारगेट	Positive

राजधानी का तापमान/मौसम

अधिकतम 35.1°c | न्यूनतम 18.0°c

आज दिनभर मौसम साफ एवं रात में हल्की ठंडक रहेगी।

राजधानी जागरण

• 11 • राज्य • 31 • संस्करण मध्य प्रदेश • उत्तर प्रदेश • दिल्ली • हरियाणा • उत्तराखंड • पंजाब • जम्मू-कश्मीर • बिहार • झारखंड • हिमाचल प्रदेश • पश्चिम बंग

वड़ोदरा में मेट्रो कोच बनना शुरू, 31 अगस्त के पहले लाने का टारगेट

नगरीय विकास मंत्री भूपेंद्र सिंह ने किया प्लांट का वर्चुअली शुभारंभ

जागरण प्रतिनिधि, **भोपाल।** भोपाल और इंदौर मेट्रो के लिए बोगियां बनाने की शुरुआत सोमवार को वड़ोदरा में हो गई। नगरीय विकास मंत्री भूपेंद्र सिंह ने वहां स्थापित प्लांट का भोपाल से वर्चुअली शुभारंभ किया। उन्होंने 31 अगस्त के पहले कोच तैयार करने के लिए कहा ताकि तय समय पर मेट्रो का ट्रायल किया जा सके। मंत्री ने मेट्रो के निर्माण की गति और क्वालिटी पर संतोष जताया। विश्वास व्यक्त किया कि जैसे प्रेजेंटेशन में दिखाया था, वैसे ही कोच का निर्माण अल्सटॉम ट्रांसपोर्ट इंडिया करेगी। यह उच्च क्वालिटी के होंगे। इन कोच में आरामदायक, सुरक्षित व पर्यावरण अनुकूल यात्रा का अवसर मिलेगा जो इन शहरों के तीव्र विकास व आधुनिकीकरण में मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल व इंदौर में मेट्रो का ट्रायल रन सितंबर, 2023 में करने के निर्देश दिए हैं। इस समय सीमा

में हर हाल में काम पूरा करना है। यहां बता दें कि राजधानी में रानी कमलापति स्टेशन से सुभाष नगर के बीच मेट्रो की शुरुआत की जाएगी। इस रूट पर पांच स्टेशन होंगे। नगरीय विकास विभाग प्रमुख सचिव नीरज मंडलोई ने मप्र के विजन डॉक्युमेंट की जानकारी वर्चुअली दी। वड़ोदरा में आयोजित कार्यक्रम में मप्र मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन के प्रबंध संचालक मनीष सिंह ने अब तक की उपलब्धियों और भविष्य की योजनाओं के बारे में बताया। साथ ही अल्सटॉम के अधिकारियों के साथ प्लांट का जायजा लिया और निर्माण की प्रक्रिया समझी।

भोपाल के लिए तीन कोच की 27 ट्रेन बनेंगी

एल्सटॉम कंपनी भोपाल और इंदौर मेट्रो रेल परियोजनाओं के लिए तीन कोच की 52 ट्रेन यानि 156 कोच की आपूर्ति करेगी। भोपाल मेट्रो के लिये 3 कोच की 27 ट्रेन और इंदौर के लिए 3 कोच की 25 ट्रेन आएंगी। कोच की लंबाई 22 मीटर और चौड़ाई 2.9 मीटर रहेगी। यह ट्रेन 80 किलोमीटर प्रति घंटा की स्पीड से चलेगी। एक ट्रेन में 970 यात्री सफर कर सकेंगे। ट्रेन का 15 वर्षों तक मेंटेनेंस भी कंपनी करेगी। साथ ही अनुबंध में रोलिंग स्टाफ, सिग्नलिंग और दूरसंचार की आपूर्ति तथा स्थापना के लिए संयुक्त अनुबंध किया गया है।

MPMETRO

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
32	Hitwad	Bhopal	14.03.2023	01 & 03	Bhopal Metro Trail run by Sept: Bhupendra Singh	Positive

TheHitavada
Bhopal City Line | 2023-03-14 | Page- 1
ehitavada.com

Bhopal Metro trial run by Sept: Bhupendra Singh

- Train with three coaches will run for six kilometres during the trial run
- Urban Development Minister Singh holds conference with coach manufacturing plant officials in Gujarat

Staff Reporter

Officials of MP Metro and of Alstom company perform customary rituals at the coach factory

Urban Development Minister Bhupendra Singh addressing a video conference.

BHOPAL will get a glimpse of Metro rail running on viaduct by September this year. All the three coaches for the Metro will be delivered in the city by August. The Metro rail officials claimed that they will launch a trail run of the train by September. However, the there will be no passenger entry allowed inside at the time. These coaches will also be delivered to Indore at the same time. The trial run will be done initially for over 6 kilometres in Bhopal. Urban Development Minister through video conference inaugurated the project of development of coaches in the Gujarat-based unit of Alstom Company.

He alerted the company officials about the deadline and sought details of the project. He said that the project has to be completed in the scheduled time. The event started with customary rituals and the officials ensured to deliver the coaches to the State. Bhopal and Indore will start metro services by 2026, and the first phase will be of 30.95 kilometres in Bhopal and 31.46 kilometres in Indore. As many as 27 trains will run in Bhopal. The Metro will be based on advanced technique of G0A (Gade of Automation 4), and these trains will be run by driver. However, plans are afoot to run these trains sans a driver after a few years. *(Contd on page 3)*

Powered by iDocuments

TheHitavada
Bhopal City Line | 2023-03-14 | Page- 3
ehitavada.com

FROM THE FRONT PAGE

Bhopal Metro trial run by Sept

Minister was scheduled to visit the plant but due to some reasons, he had to inaugurate the plant through video conferencing. Metro officials informed that the France-based company is engaged in manufacturing of Metro coaches and train coaches in other cities also.

Powered by iDocuments

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
33	Raj Express	भोपाल	14.03.2023	11	31 अगसत तक भोपाल ओर इं मेट्रो ट्रेन सेट	Positive

31 अगस्त तक भोपाल और इंदौर को मिलेंगे मेट्रो ट्रेन सेट

गुजरात के वडोदरा के पास मेट्रो ट्रेन के कोच बनने का काम शुरू

मंत्री भूपेंद्र सिंह ने वर्चुअली निर्माण कार्य का शुभारंभ किया

भोपाल, (प्रसं)। गुजरात के वड़ोदरा के पास सावली में स्थित एल्सटॉम फैक्टरी में भोपाल-इंदौर के लिए मेट्रो ट्रेन के कोच बनने का कार्य सोमवार से शुरू हो गया है। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री भूपेंद्र सिंह ने वर्चुअली मेट्रो ट्रेन के कोच निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। मंत्री श्रीसिंह ने कहा कि आगामी 31 अगस्त तक पहली ट्रेन सेट की डिलीवरी भोपाल और इंदौर में कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि प्रदेश में टाइम लाइन के अनुसार मेट्रो का कार्य चल रहा है।

मंत्री श्री सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में मध्यप्रदेश अपने नगरों का विकास वैश्विक मापदंडों के आधार पर करने की ओर अग्रसर है। उन्होंने बताया कि एल्सटॉम कंपनी भोपाल और इंदौर मेट्रो रेल परियोजनाओं के लिए तीन कोच की 52 ट्रेन यानी 156 कोच की आपूर्ति करेगा। भोपाल मेट्रो के लिए तीनकोच की 27 ट्रेन और इंदौर के लिए तीन कोच की 25 ट्रेन आएंगी। कोच की लंबाई 22 मीटर और चौड़ाई 2.9 मीटर रहेगी। यह ट्रेन 80 किलोमीटर प्रति घंटा की स्पीड से चलेगी। ट्रेन का 15 वर्षों तक मेंटेनेंस भी कंपनी द्वारा किया जाएगा। साथ ही अनुबंध में रोलिंग स्टाफ सिग्नलिंग और दूरसंचार की आपूर्ति तथा स्थापना के लिए एक संयुक्त अनुबंध किया गया है। प्रमुख सचिव नगरीय विकास एवं आवास नीरज मंडलोई, एमडी मेट्रो रेल मनीष सिंह और अन्य अधिकारियों ने एल्सटॉम फैक्टरी का भ्रमण कर मेट्रो ट्रेन के कोच निर्माण प्रक्रिया की जानकारी ली। इस दौरान एल्सटॉम कंपनी के प्रमुख औलीवर, एमडी अनिल सैनी भी मौजूद थे।

भोपाल मेट्रो: भोपाल मेट्रो रेल परियोजना में दो मेट्रो कॉरिडोर ऑरेंज और ब्लू लाइन का निर्माण होना है। इनकी कुल लंबाई 30.95 किलोमीटर है। आरेंज लाइन का प्राथमिकता कॉरिडोर सुभाष नगर से एम्स तक सात किलोमीटर का है।

इंदौर मेट्रो: इंदौर मेट्रो रेल परियोजना में 31.76 किलोमीटर की लंबी रिंग लाइन बननी है। इसका नाम येलो लाइन दिया गया है। प्राथमिकता कॉरिडोर गांधीनगर से रेडिसन चौराहा तक 17.28 किलोमीटर का है।

MPMETRO

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
34	Amar Ujala	भोपाल	14.03.2023	03	भोपाल ओर इंदौर में बनना शुरू, अगसत मे आएंगे	Positive

भोपाल और इंदौर मेट्रो के लिए कोच वडोदरा में बनना शुरू, अगस्त में आएंगे

भूपेंद्र सिंह ने निर्माण यूनिट की शुरुआत, सितंबर तक राजधानी में सेवा और इंदौर में ट्रायल का लक्ष्य

भोपाल। भोपाल और इंदौर में दौड़ने वाली मेट्रो ट्रेन के कोच (बोगियां) गुजरात के वडोदरा में बनेंगे। फ्रांस की एल्स्टॉम ट्रांसपोर्ट इंडिया लिमिटेड कोच बनाएंगी। मेट्रो ट्रेन सेट की यूनिट की सोमवार को शुरुआत हुई। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री भूपेंद्र सिंह ने यूनिट का यहां से वर्चुअली शुभारंभ किया। मंत्री ने कंपनी के अधिकारियों से कहा कि 31 अगस्त तक भोपाल में मेट्रो का ट्रायल पूरा करना है। इससे पहले कोच भोपाल ले आएं।

मंत्री भूपेंद्र सिंह पहले वडोदरा जाकर यूनिट का शुभारंभ करने वाले थे। लेकिन किसी वजह से नहीं जा पाने पर उन्होंने भोपाल से ही वर्चुअली निर्माण यूनिट की शुरुआत की। 31 अगस्त तक 3 कोच की एक ट्रेन भोपाल आएगी। इंदौर में भी इतने ही कोच की ट्रेन आएगी। भोपाल में 6.22 किमी और इंदौर में 5.9 किमी लंबे मेट्रो रूट का काम चल रहा है। भोपाल में सितंबर तक मेट्रो दौड़ने और इंदौर में ट्रायल किए जाने का टारगेट है। भोपाल में पिलर और गर्डर लॉन्चिंग का काम पूरा हो चुका है। अब मेट्रो स्टेशन और पटरी बिछाने का काम तेजी से चल रहा है। इंदौर में भी काम की रफ्तार तेज कर दी गई है। ताकि, विधानसभा चुनाव से पहले मेट्रो दिखाई देने लगे।

भूपेंद्र सिंह, नगरीय विकास मंत्री

पहला रूट

16.05

6.22 किमी इसमें प्रायोरिटी कॉरिडोर, आधे हिस्से में भूमिगत रहेगा ट्रैक

6,941 करोड़ कुल लागत

- राज्य देगा (20 फीसदी) 1,388.20 करोड़
- केंद्र का अंश (20 फीसदी) 1,388.20 करोड़
- यूरोपियन इन्वेस्टमेंट बैंक से लोन (50%) 3,470.20 करोड़
- बॉण्ड या भारतीय बैंक से कर्ज 10 फीसदी) 694.10 करोड़

- एम्स से सुभाष नगर अंडरब्रिज तक आठ स्टेशन एम्स, अलकापुरी, डीआरएम ऑफिस, रानी कमलापति रेलवे स्टेशन, डीबी सिटी, एमपी नगर जोन-1, आयकर भवन और सुभाष नगर अंडरब्रिज में बन रहे हैं। कुछ स्टेशनों का काम दिखाई देने लगा है तो कुछ का काम अभी काफी बाकी है। रानी कमलापति रेलवे स्टेशन और डीबी सिटी जैसे चहल-पहल वाले स्थानों पर फुटओवर ब्रिज बनेंगे।

भोपाल के लिए 81, इंदौर के 75 कोच का निर्माण... जानकारी के अनुसार, 1400 करोड़ रु. में एल्स्टॉम ट्रांसपोर्ट इंडिया लिमिटेड कंपनी भोपाल के लिए 81 और इंदौर के लिए 75 बोगियां बना रही है। ये बोगियां कई मायने में खास होंगी। एक ट्रेन सेट में तीन बोगी होंगी। इसमें 970 यात्री सफर कर सकेंगे। एल्स्टॉम बोगियों को ऐसे तैयार कर रही हैं, ताकि भीड़ बढ़ने पर भी यात्री आसानी से सफर कर सकें। हर कोच 2.9 मीटर चौड़ा और 22 मीटर लंबा होगा। कंपनी तो यात्रियों का जो हिसाब लगाया है, उस हिसाब से एक वर्ग मीटर में 8 यात्री होंगे। इनमें खड़े और बैठने वाले यात्री शामिल हैं। इस हिसाब से एक बोगी को 970 यात्रियों लायक बनाया जा रहा है।

ऐसे समझे मेट्रो का काम

एम्स से सुभाषनगर का रूट बनने के बाद सुभाष नगर से करोंद के बीच यानी बाकी के 9.83 किलोमीटर मेट्रो रूट का काम होगा। इस रूट पर 39 एकड़ से ज्यादा जमीन का अधिग्रहण किया जा रहा है। अलग-अलग लोकेशन की लगभग 8 एकड़ जमीन पर 5 प्लाजा, 6 स्टेशन, 4 पार्किंग, 2 यार्ड बनेंगे। पुराने शहर में अतिरिक्त पार्किंग व्यवस्था पर फोकस है। पुल बोगदा के पास मेट्रो का जंक्शन बनेगा, यहां दोनों लाइनें आकर मिलेंगी। पुल बोगदा से मेट्रो अंडरग्राउंड हो जाएगी। पहला अंडरग्राउंड स्टेशन मुख्य रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 6 की तरफ बनेगा। जहां ईरानी डेरे की जमीन ली गई है। नादरा बस स्टैंड का मेट्रो स्टेशन भी अंडरग्राउंड रहेगा।

इंदौर में तेजी से जारी है काम

इंदौर मेट्रो ट्रेन प्रायोरिटी कॉरिडोर में गांधी नगर से लेकर रेडिसन-रोबोट चौराहे तक काम तेजी से चल रहा है। इसकी लंबाई 17.2 किमी है। गांधी नगर से सुपर कॉरिडोर के बीच में 5 किमी रूट पर सितंबर 2023 में मेट्रो का ट्रायल किया जाएगा। इस काम को जल्द से जल्द पूरा करने में अधिकारी जुटे हैं। गांधी नगर से रेडिसन स्टेशन तक कुल 17.2 किमी के 16 स्टेशन प्राथमिकता में है। गांधी नगर से सुपर कॉरिडोर तक 5 किमी में सितंबर तक 6 स्टेशन का काम पूरा करने का प्लान है। फरवरी-मार्च 2024 तक मेट्रो शुरू होने की उम्मीद है।

मेट्रो को लेकर सियासत भी तेज हुई : भोपाल-इंदौर में मेट्रो प्रोजेक्ट को लेकर सियासत भी तेज हो गई है। मेट्रो यूनिट के शुभारंभ के बाद पूर्व मंत्री और कांग्रेस विधायक पीसी शर्मा ने कहा कि मेट्रो का भूमिपूजन कांग्रेस ने किया था। दिसंबर-2023 या जनवरी 2024 को कांग्रेस ही मेट्रो का लोकार्पण करेगी। मेट्रो कांग्रेस की देन है। कांग्रेस सरकार में शुरू होगा मेट्रो का सफर।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
35	People's Samachar	भोपाल	14.03.2023	03	बड़ोदरा मे मेट्रो ट्रेन के कोच निर्माण का कार्य शुरू, 31 अगस्त तक डिलवेरी की तयारी	Positive

बदलते जमाने का अखबार
पीपुल्स समाचार
न्यूज़ चैनल राष्ट्रीय अंतर्राष्ट्रीय प्रादेशिक खेल व्यापार
भोपाल सिटी Page: 3 March 14, 2023

बड़ोदरा में मेट्रो ट्रेन के कोच निर्माण का कार्य शुरू, 31 अगस्त तक डिलेवरी की तैयारी

नगरीय विकास मंत्री भूपेंद्र सिंह ने किया निर्माण कार्य का वर्चुअली शुभारंभ

पीपुल्स ब्यूरो • भोपाल

मो.नं. 9827334317

गुजरात के वड़ोदरा के पास सावली में स्थित एल्सटॉम फैक्ट्री में भोपाल-इंदौर के लिए मेट्रो ट्रेन के कोच बनने का कार्य सोमवार से शुरू हो गया। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री भूपेन्द्र सिंह ने वर्चुअली मेट्रो ट्रेन के कोच निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। सिंह ने कहा कि 31 अगस्त तक पहली ट्रेन सेट की डिलीवरी कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि प्रदेश में टाइम लाइन के अनुसार मेट्रो का कार्य चल रहा है।

एल्सटॉम कंपनी भोपाल और इंदौर मेट्रो रेल परियोजनाओं के लिए 3 कोच की 52 ट्रेन अर्थात 156 कोच की आपूर्ति करेगा। भोपाल मेट्रो के लिए 3 कोच की 27 ट्रेन और इंदौर के लिए 3 कोच की 25 ट्रेन आएंगी। कोच की लंबाई 22 मीटर और चौड़ाई 2.9 मीटर रहेगी। यह ट्रेन 80 किमी प्रति घंटे की स्पीड से चलेगी। ट्रेन का 15 वर्षों तक मेंटेनेंस भी कंपनी करेगी। उससे रोलिंग स्टाफ, सिग्नलिंग, दूरसंचार की आपूर्ति तथा स्थापना के लिए एक संयुक्त अनुबंध किया गया है। प्रमुख सचिव नगरीय विकास एवं आवास नीरज मंडलोई, एमडी मेट्रो रेल मनीष सिंह और अन्य अधिकारियों ने एल्सटॉम फैक्ट्री का भ्रमण कर मेट्रो ट्रेन के कोच निर्माण प्रक्रिया की जानकारी ली।

भोपाल मेट्रो : भोपाल मेट्रो रेल परियोजना में दो मेट्रो कॉरिडोर ऑरेंज और ब्ल्यू लाइन का निर्माण होना है। इनकी कुल लंबाई 30.95 किलोमीटर है। ऑरेंज लाइन का प्रॉयोरिटी कॉरिडोर सुभाष नगर से एम्स तक 7 किलोमीटर का है।

इंदौर मेट्रो : इंदौर मेट्रो रेल परियोजना में 31.76 किलोमीटर की लंबी रिंग लाइन बननी है। इसे यलो लाइन नाम दिया गया है। प्रॉयोरिटी कॉरिडोर गांधीनगर से रेडिसन चौराहा तक 17.28 किलोमीटर का है।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
36	दैनिक भास्कर	भोपाल	14.03.2023	J2	भोपाल में 5 ओर इं रूट पर होगा मेट्रो का ट्रायल रन	Positive

दैनिक भास्कर भोपाल 14-03-2023

Pg-J2

भोपाल में 5 और इंदौर में 6 किलोमीटर के रूट पर होगा मेट्रो का ट्रायल रन

गुजरात के सांवली में शुरू हुआ कोच निर्माण का काम

सिटी रिपोर्टर | भोपाल

इस साल सितंबर में भोपाल और इंदौर में होने वाले मेट्रो के ट्रायल के लिए गुजरात के सांवली में सोमवार से कोच निर्माण शुरू हो गया। भोपाल में 5 किलोमीटर और इंदौर में 6 किलोमीटर के रूट पर मेट्रो का ट्रायल रन होगा। इस ट्रायल रन में कोच की समय पर सप्लाई बहुत महत्वपूर्ण है।

सांवली में कोच निर्माण की शुरुआत के मौके पर आयोजित कार्यक्रम में नगरीय आवास एवं विकास मंत्री भूपेंद्र सिंह भोपाल से वर्चुअली शामिल हुए। भूपेंद्र सिंह पूर्व में सांवली जाने वाले थे, लेकिन विधानसभा सत्र के कारण दौरा निरस्त हो गया। इस मौके पर नगरीय आवास एवं विकास विभाग के प्रमुख सचिव नीरज मंडलोई और मेट्रो रेल कंपनी के एमडी मनीष सिंह सांवली में कोच निर्माण से पूर्व आयोजित पूजा में शामिल हुए।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
37	नवभारत	भोपाल एवं इं	14.03.2023	12	बड़ोदरा मे मेट्रो ट्रेन के कोच बनना शुरू	Positive

12 इंदौर, मंगलवार 14 मार्च, 2023 अपना शहर नवभारत

बड़ोदरा में मेट्रो ट्रेन के कोच बनना शुरू

नगरीय प्रशासन मंत्री भूपेंद्रसिंह ने वीडियो कॉन्फ्रेंस से किया शुभारंभ

12 भोपाल, मंगलवार, 14 मार्च, 2023 राजधानी नवभारत

बड़ोदरा में मेट्रो ट्रेन के कोच बनना शुरू

अगस्त तक कोच उपलब्ध कराने के निर्देश

भोपाल मेट्रो और इंदौर मेट्रो

METRO NEWS

15th March,2023

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
38	Times of India	Bhopal	15.03.2023	2	Metro coaches to arrive by August 31	Positive

Metro coaches to arrive by August 31

Times News Network

File photo

MP government has plans to start the priority corridors for Indore and Bhopal by September

Bhopal: MP urban development minister Bhupendra Singh said first batch of coaches for Bhopal and Indore metro rail project will arrive by August 31, according to a press release. However, metro ride for public will take place around May 2024.

ON RIGHT TRACK

"MP CM Shivraj Singh Chouhan has directed that trial run of metro train for Bhopal and Indore take place in September 2023. Work has to be completed within the stipulated time," said Singh who virtually addressed private company's representatives here on Monday. Singh was scheduled to be in Vadodara coach factory on Monday. However, he only virtually inaugurated, the start of production of coaches in Gujarat.

MP state government officials and MP metro rail development corporation limited (MPMRCL) representatives were in Vadodara. At present, the civil work of Bhopal and Indore metro ongoing. MP government has plans to start the priority corridors for the two cities by September. It is shorted version of the phase I of metro rail development.

MP urban development minister Bhupendra Singh was scheduled to be in Vadodara coach factory on Monday. However, he only virtually inaugurated, the start of production of coaches in Gujarat

MPMETRO

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
39	Metro Rail News	Online	15.03.2023	Online	Alstom starts production of Metro Trainsets for Indore and Bhopal Metro	Positive

Advertisement
Stratus
Digital innovation is delivering safety, efficiency and resilience to the modern transport network.
Learn More

Metro Rail News
WWW.METRORAILNEWS.IN

Alstom Starts Production of Metro Trainsets for Indore and Bhopal Metro

Alstom to supply 52 Movia metro trainsets with CBTC signalling system and 7-year maintenance contract.

By **Staff Reporter** - 13/03/2023

164 0

SAVLI, GUJARAT (Metro Rail News): Alstom Transport India has initiated the production of metro trains for Indore and Bhopal Metro at its Savli manufacturing plant in Gujarat. Bhupendra Singh, the Urban Development Minister in the state, virtually inaugurated the launch of the rolling stock production.

63 / 100

In July 2022, Alstom was contracted by Madhya Pradesh Metro Rail Corporation Limited (MPMRCL) to create, design and deliver 52 standard gauge Movia metro trainsets with three-car configurations each for both metro projects in Bhopal and Indore. Alstom is to supply 27 trainsets for Bhopal metro and 25 for Indore.

Operating at a maximum speed of 80 kmph, the Movia metro family consists of lightweight, air-conditioned stainless steel carriages powered by modern energy-efficient propulsion systems with regenerative braking. The French major also received another combined order for the Agra-Kanpur metro project, marking the company's second such combined order in India.

As part of the €387 (around 32,00 crore) million contract, the installation of the latest Communications Based Train Control (CBTC) signalling system, train control and telecommunication systems, with seven years of comprehensive maintenance, is included.

Alstom, a French mobility company, has a strong order portfolio in India. It has received its second combined order in India after the Agra-Kanpur metro projects. The company has been tasked with delivering 201 standard gauge metro cars for the Agra and Kanpur Metro Project, with an option to supply an additional 51 metro cars. Additionally, Alstom is currently involved in manufacturing metro trains for Mumbai Metro Line 3, as well as modern trainsets for India's first semi-high-speed Delhi-Meerut RRTS project.

https://www.metrorailnews.in/alstom-starts-production-of-metro-trainsets-for-indore-and-bhopal-metro/?utm_source=newsletter&utm_medium=email&utm_campaign=name_daily_round_up_from_metro_railway_industries&utm_term=2023-03-15

MPMETRO

METRO NEWS

16th March,2023

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
40	पत्रिका	भोपाल	16.03.2023	2	नई तकनीक को समझने के लिए मेट्रो ट्रेन कॉर्पोरेशन ने बचचों को चुना, अगसत के आखरी सप्ताह से मेट्रो का ट्रायल शुरू करने की तैयारी	Neutral

पत्रिका

पत्रिका भोपाल प्राइम BHOPAL PRIME

पत्रिका patrika.com

भोपाल, गुरुवार, 16 मार्च 2023

नई तकनीक को समझाने के लिए मेट्रो ट्रेन कारपोरेशन ने बच्चों को चुना, अगस्त के आखिरी सप्ताह से मेट्रो का ट्रायल शुरू करने की तैयारी

स्कूली बच्चों के माध्यम से घर-घर पहुंचेगी मेट्रो, परिजनों को करेंगे सफर के लिए प्रेरित

पत्रिका पब्लिक कनेक्ट

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

भोपाल. अपनी तरह की अत्याधुनिक तकनीक आधारित ड्रायवरलेस मेट्रो ट्रेन भोपाल में स्कूली बच्चों के माध्यम से घर-घर पहुंचेगी।

दरअसल नई तकनीक को समझाने मेट्रो ट्रेन कारपोरेशन ने स्कूली बच्चों को चुना है। अगस्त आखिरी सप्ताह से मेट्रो ट्रेन का ट्रायल शुरू करने की कोशिश की जा रही है। ऐसे में स्कूली बच्चों को अलग-अलग दिन पूरे प्रोजेक्ट का भ्रमण कराने, मेट्रो स्टेशन तक पहुंचने से लेकर एंट्री- एग्जिट पाइंट पर टोकन या फिर क्यूआर कोड से गेट खुलवाने सहित अन्य तरह की तकनीकों के बारे में बताया जाएगा। मेट्रो ट्रेन प्रोजेक्ट से जुड़े अफसरों का कहना है कि बच्चे बहुत जल्दी आधुनिक तकनीक समझ लेते हैं। जब वे एक बार यहां पूरी प्रक्रिया समझकर घर जाएंगे तो फिर उम्मीद है कि वे अपने परिजनों को फिर से मेट्रो का सफर करने के लिए प्रेरित करेंगे। परिजनों को भी विश्वास होगा कि बच्चा एक बार मेट्रो की प्रणाली समझ चुका है तो दिक्कत भी नहीं आएगी।

मेट्रो यार्ड के लिए सीआई कॉलोनी स्लाटर हाउस और झुग्गी बस्ती तोड़कर यार्ड का काम तेजी से चल रहा है।

कहां से और कैसे होगी एंट्री , क्यूआर कोड से गेट खुलवाने की बताएंगे तकनीक

16 टन का भार वहन करेगा कोच

भोपाल के लिए डिजाइन की गई मेट्रो ट्रेन का कोच 16 टन का भार वहन क्षमता के अनुसार डिजाइन किया गया है। प्रतिव्यक्ति 65 किलोग्राम वजन के आधार पर ये आंकड़ा निकाला है। प्रति कोच यात्री क्षमता 970 तय की गई है। तीन कोच की एक रेल होगी। 750 डीसी करंट प्रणाली पर भोपाल की मेट्रो चलेगी। 750 डीसी करंट के आधार पर ट्रेन में अतिरिक्त कोच लगाकर मेट्रो को स्वचालित बनाएगा। यानि पटरियों पर ही करंट रहेगा और मेट्रो ट्रेन दौड़ेगी। आग और धुएं से बचाने के लिए पूरे व पुख्ता इंतजाम भी इसमें रहेंगे।

दो माह में तैयार हो जाएंगे कोच

भोपाल मेट्रो ट्रेन के कोच का गुजरात बड़ोदरा के सावली में निर्माण शुरू हो गया है। अल्सटॉम कंपनी ने निर्माण शुरू किया है और उम्मीद है कि दो माह में कोच की आपूर्ति होने लगेगी। अगस्त से ट्रायल रन शुरू करना है तो मई तक कोच का निर्माण पूरा करना होगा। इसी दिशा में काम चल रहा है।

स्कूली बच्चों से लेकर कॉलेज स्टूडेंट और अन्य सभी प्रकारों से मेट्रो के प्रति समझ बढ़ाने के लिए काम करेंगे। निर्माण तेजी से पूरा किया जा रहा है। समय पर मेट्रो चलाने का लक्ष्य प्राप्त कर लिया जाएगा।

मनीष सिंह, एमडी मेट्रो रेल कॉरपोरेशन

Date: 16/03/2023, Edition: Bhopal, Page: 2
Source : https://epaper.patrika.com/

MPMETRO

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
41	प्रदेश टुडे	भोपाल	19.03.2023	3	राजधानी में मेट्रो ट्रैन प्रोजेक्ट का काम तेजी से जारी	Neutral

सिटी

3 प्रदेश टुडे भोपाल, रविवार, 19 मार्च 2023

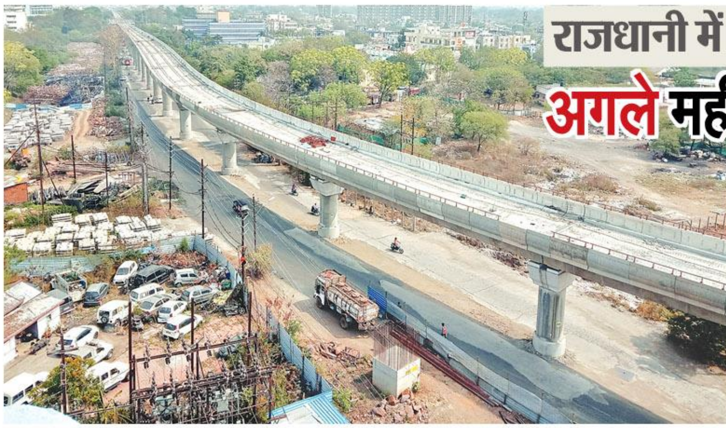

राजधानी में मेट्रो ट्रेन प्रोजेक्ट का काम तेजी से जारी

अगले महीने डिस्प्ले होगा ट्रेन का मॉडल

प्रदेश टुडे संवाददाता, भोपाल। राजधानी में मेट्रो ट्रेन प्रोजेक्ट का काम तेजी से जारी है। इसका मॉडल अगले महीने भोपाल आ जाएगा। इसे स्मार्ट रोड पर पार्क के पास डिस्प्ले किया जाएगा। इस बीच सितंबर में मेट्रो के ट्रायल के लिए तैयारियां तेज हो गई हैं। सितंबर में ट्रायल से पहले भोपाल और इंदौर दोनों शहरों में अगस्त तक दो-दो ट्रेन आएंगी। इन ट्रेन में तीन-तीन कोच होंगे। गौरतलब है कि वड़ोदरा के पास सांवली में मेट्रो ट्रेन का निर्माण किया जा रहा है। एल्सटॉम ट्रांसपोर्ट इंडिया लिमिटेड भोपाल के लिए 81 और इंदौर के लिए 75 बोगियां बना रही है। मेट्रो ट्रेन की शुरुआत से पहले ही भोपाल में चलने वाली मेट्रो को लोग न केवल देख सकेंगे बल्कि उसके भीतर भी जा सकेंगे।

60 हजार घन मीटर पत्थर की नीलामी की तैयारी

स्टड फार्म की जमीन पर निर्माणाधीन डिपो के लिए चल रही खुदाई में अब तक 60 हजार घन मीटर पत्थर निकाला जा चुका है। डिपो पर लगे पत्थर के इस ढेर को बेचने की तैयारी है। सामान्य कैटेगरी के इस पत्थर का उपयोग गिट्टी बनाने में हो सकता है। इस पत्थर को बेचकर मेट्रो रेल कंपनी रॉयल्टी चुकाएगी।

MPMETRO

METRO NEWS

25th March,2023

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
42	Haribhoomi	Bhopal	25.03.23	11	मेट्रो केबलिंग का काम शुरू ,बिजली सिस्टम की डिज़ाइन दिल्ली की कं ने तैयार की.	Positive

हरिभूमि

भोपाल भूमि फ्रंट पेज

Pg-II भोपाल, शनिवार 25 मार्च 2023

मेट्रो कंपनी खर्च कर रही 20 करोड़ रुपए

मेट्रो केबलिंग का काम शुरू, बिजली सिस्टम की डिजाइन दिल्ली की कंपनी ने तैयार की

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

भोपाल मेट्रो केबलिंग का काम शुरू हो गया है। बिजली सिस्टम की डिजाइन दिल्ली से तैयार हुई है और उसी डिजाइन के अनुसार ही केबल बिछाने का काम शुरू कर दिया गया है। अभी मेट्रो को 2054 तक बिजली सप्लाई की डिजायन की गई है। मेट्रो की बिजली व्यवस्था को स्पैनिश कंपनी आईनी और रेलवे से संबंधित दिल्ली की कंपनी राइट्स ने डिजाइन किया है। दोनों कंपनियां ने मेट्रो के डिपो की भी डिजाइन की थी। इसके लिए मेट्रो कंपनी 20 करोड़ रुपए खर्च कर रही है।

सुभाष नगर में डिपो

ये डिपो सुभाष नगर, रत्नागिरी और करोंद में बनाए जाना है। सुभाष नगर का काम अंतिम चरणों में है। यहां 132 केवी बिजली को 33 केवी में कन्वर्ट कर ट्रैक्शन सब स्टेशन सप्लाई करेंगे। इस अल्टरनेट करंट एसी को 750 वोल्ट डायरेक्ट करंट डीसी में तब्दील होगी।

सुभाष नगर डिपो गोविंदपुरा सब स्टेशन से अंडरग्राउंड केबलिंग

सुभाष नगर डिपो के लिए गोविंदपुरा सब स्टेशन से अंडरग्राउंड केबलिंग की जा रही है। डिपो और सब स्टेशन के बीच एक रेलवे क्रॉसिंग भी आ रही हैए जिसके नीचे से ही केबलिंग की जाएगी। रत्नागिरी और करोंद में भी रेलवे क्रॉसिंग मिल रही हैंए यहां भी अंडरग्राउंड केबलिंग की जाएगी।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
43	Free Press	Bhopal	25.03.2023	5	Mock up Metro to arrive by mid -April	Positive

Mock up Metro to arrive by mid-April

People will be able to see sitting arrangements and other facilities in dummy coach

OUR STAFF REPORTER
city.bhopal@fpj.co.in

The mock-up (dummy model) Metro train will arrive in Bhopal in mid of April. It is not yet decided where the mock-up metro will be placed for the public view. The discussions are underway in this regard at a higher level. It's learnt that the mock up metro will have only one coach including the engine. People will be able to see the sitting arrangements and other facilities in the coach.

Sources said that Alstom Company, which is manufacturing the rolling stocks (metro coaches) at Gujarat plant, will send the mock up Bhopal metro. The company has two plants, one in Gujarat and another in Chennai (Tamil Nadu).

"Most probably, the mock up metro will arrive from the Chennai plant of the company," said an official of metro corporation pleading anonymity.

Through the mock up model, people will have an idea how the metro train will look like, its coaches and the facilities and so on. "We are looking for a spot to place the Metro Mock-Up. Later it will be shifted to the proposed Metro Museum. In Delhi, it is at Patel Chowk area where the Metro Museum is built. One can go there and see the mock up metro train and various facilities it offers," said the official.

The Bhopal Metro project is going to have two lines and 28 stations. Line 2 (purple line) is between Karond circle and AIIMS. Line 5 (Red Line) will connect Bhadbhada Square with Ratnagiri Tiraha.

Bhopal Metro Priority corridor work is in full swing. Hundred percent girders were erected successfully at board office square by Friday.

MPMETRO

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
44	ToI	Bhopal	25.03.2023	6	Notice Inviting Tender	Advertisement

MPMETRO

MADHYA PRADESH METRO RAIL CORPORATION LIMITED (MPMRCL)

(A Joint Venture of Government of India And Government of Madhya Pradesh)
2nd Floor, Smart City Development Corporation Office Building, Kalibadi Road, BHEL, Sector-A, Berkheda, Bhopal- 462022

Tender Notification No. 614/MPMRCL/2023 Bhopal, Date : 24.03.2023

NOTICE INVITING TENDER

MPMRCL invites tenders for the works of "Part Design and Construction of Elevated Viaduct, Five (5) Elevated Metro Rail Stations (viz. Shaheed Bagh, Khajrana Chauraha, Bengali Chauraha, Patrakar Colony & Palasia Chauraha) and Ramp between Chainages 31+755 to 34+898.061 & 3+669.547 to 5+862 for Indore Metro Rail Project." for further details please visit **https://etenders.gov.in/eprocure/appon 28.03.2023 onwards.** Any clarification/corrigendum/addendum to the tender documents will be uploaded on the official e-portal only, without any obligation of press notification.

M.P. Madhyam/109114/2023

MANAGING DIRECTOR
Madhya Pradesh Metro Rail Corporation Limited

MPMETRO

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
45	Dainik Bhaskar	Bhopal	25.03.2023	4	Notice Inviting Tender	Advertisement

MADHYA PRADESH METRO RAIL CORPORATION LIMITED (MPMRCL)

(A Joint Venture of Government of India And Government of Madhya Pradesh)
2nd Floor, Smart City Development Corporation Office Building, Kalibadi Road, BHEL, Sector-A, Berkheda, Bhopal- 462022

Tender Notification No. 614/MPMRCL/2023 **Bhopal, Date : 24.03.2023**

NOTICE INVITING TENDER

MPMRCL invites tenders for the works of "Part Design and Construction of Elevated Viaduct, Five (5) Elevated Metro Rail Stations (viz. Shaheed Bagh, Khajrana Chauraha, Bengali Chauraha, Patrakar Colony & Palasia Chauraha) and Ramp between Chainages 31+755 to 34+898.061 & 3+669.547 to 5+862 for Indore Metro Rail Project." for further details please visit **https://etenders.gov.in/eprocure/appon 28.03.2023 onwards.** Any clarification/corrigendum/addendum to the tender documents will be uploaded on the official e-portal only, without any obligation of press notification.

MANAGING DIRECTOR

M.P. Madhyam/109114/2023 **Madhya Pradesh Metro Rail Corporation Limited**

MPMETRO

METRO NEWS

26th March,2023

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
46	Free Press	Bhopal	26.03.23	5	Bhopal Metro Rail Laying to Begin Next Month	Positive

THE FREE PRESS JOURNAL

Bhopal Metro rail laying to begin next month

OUR STAFF REPORTER
city.bhopal@fpj.co.in

The work of laying railway track of Bhopal Metro Train will begin next month. Madhya Pradesh Metro Rail Corporation is also working tirelessly to complete civil works on time.

The first batch of metro railway line (track) has arrived from Raipur while the second batch will reach next month.

When contacted, Managing Director, Manish Singh (IAS) said that work of laying metro railway line would begin in April.

Sources at Madhya Pradesh Metro Rail Corporation said that Jindal Steel

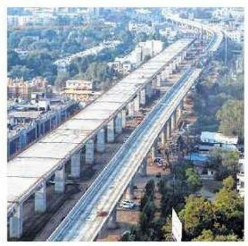

Company would supply railway tracks for Bhopal Metro while L&T Company would lay down the tracks.

The wielding machine, which will connect the metro tracks, is expected to reach Bhopal shortly. It will be first tested and later its test report will be sent to any of the testing lab recognised by Indian railways.

In first instalment, 32 MT metro track was received by Bhopal Metro. In second instalment, 800 MT railway track is expected in April first week, said sources.

The work of Metro Project has been expedited as by August, all major works of project is supposed to be completed.

The labourers employed for Metro project works are working in day and night shifts. The 98 % work of I-Girder casting of via duct has been completed. The piling work at all eight metro stations in Bhopal has been completed. Likewise, 84 per cent work of Open Foundation of all eight Metro stations has been completed.

Date: 26/03/2023, Edition: FPJ Bhopal, Page: 5
Source : https://epaper.freepressjournal.in/

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
47	दैनिक भास्कर	भोपाल	26.03.2023	3	ये है मेट्रो का प्लेटफार्म, एक हफ्ते बाद बिछेगी पटरी	Neutral

भोपाल 26-03-2023

डीबी सिटी के सामने स्टेशन के गर्डर का काम पूरा...

ये है मेट्रो का प्लेटफॉर्म, एक हफ्ते बाद बिछेगी पटरी

सितंबर में होना है मेट्रो का ट्रायल...

भोपाल। डीबी सिटी के सामने मेट्रो के स्टेशन के गर्डर बिछाने का काम पूरा हो गया है। स्टेशन पर मेट्रो प्लेटफॉर्म साफ नजर आने लगे हैं। सितंबर में मेट्रो के संचालन के लिए चल रही तैयारियों में रानी कमलापति स्टेशन, डीबी सिटी मॉल और सुभाष नगर तीन स्टेशनों को सबसे पहले तैयार करने का प्लान है। डीबी सिटी के सामने मेट्रो स्टेशन की गर्डर लॉन्चिंग के लिए 25 फरवरी से रात को ट्रैफिक डायवर्ट किया गया था। इसे शुक्रवार रात को खोल दिया गया है। मेट्रो रेल कंपनी के सूत्रों के अनुसार गर्डर बिछाने के बाद अब बिल्डिंग को पूरा करने का काम शुरू होगा, लेकिन यह काम स्टेशन के भीतर ही होगा इसलिए ट्रैफिक डायवर्जन की जरूरत नहीं होगी।

एक महीने पहले आ गई पटरी लेकिन बिछना शुरू नहीं हुई

भोपाल में पिछले महीने के अंतिम सप्ताह में मेट्रो की पटरी की पहली खेप आ गई थी। लेकिन एक महीने बाद भी पटरी बिछाने का काम शुरू नहीं हो पाया है, जबकि इंदौर में यह काम शुरू हो गया है। कंपनी सूत्रों के अनुसार पटरी बिछाने के लिए एक सप्ताह और इंतजार करना पड़ेगा। इसके लिए जरूरी स्पेशल वेल्डिंग मशीन कानपुर से आ रही है। इसके बाद टेस्टिंग के लिए वेल्डिंग होगी। इसे रेलवे से अप्रूव कराया जाएगा। रेलवे के अप्रूवल के बाद ही पटरी बिछाना शुरू होगी। तब तक 800 मीट्रिक टन पटरी की सप्लाई और हो जाएगी। कंपनी अधिकारियों के अनुसार इंदौर में पटरी बिछाने का वर्कऑर्डर भोपाल से पहले जारी हुआ था, इसलिए वहां काम पहले शुरू हो गया।

MPMETRO

METRO NEWS

28th March,2023

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
48	पत्रिका	भोपाल	28.03.23	11	मेट्रो ट्रैन से पहले आएगा डमी मॉडल कोच ,सितम्बर से ट्रायल	Neutral

पत्रिका भोपाल प्राइम BHOPAL PRIME II पत्रिका patrika.com भोपाल, मंगलवार 28 मार्च 2023

मेट्रो ट्रेन के पहले आएगा डमी मॉडल कोच, सितंबर से ट्रायल

भोपाल @ पत्रिका. मेट्रो ट्रेन का काम तेजी से चल रहा है और सितंबर से ट्रायल शुरू करने की बात कही जा रही है, लेकिन इससे पहले भोपाल में मेट्रो ट्रेन के कोच का एक डमी मॉडल पहुंचेगा।

गुजरात के वड़ोदरा में मेट्रो ट्रेन की रैक तैयार करने वाली अल्स्ट्रॉम ट्रांसपोर्ट कंपनी सावली संयंत्र यूनिट में इसे बना रही है। सबसे पहले यही भोपाल आएगा। भोपाल के लिए मेट्रो ट्रेन की 27 रैक तैयार होंगी। प्रति रैक तीन कोच होंगे। एमडी मेट्रो रेल मनीषसिंह का कहना है कि डमी कोच कब तक आएंगे, अभी समय नहीं बता सकते, लेकिन इससे लोगों में मेट्रो ट्रेन को समझने में मदद मिलेगी, जिसका लाभ बाद में मेट्रो ट्रेन परिचालन शुरू होने के समय मिलेगा।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
49	हरि भूमि	भोपाल	28.03.23	05	पटरी बिछाने के लिए अल एं टी कंपनी का स्टाफ भोपाल पंहुचा , वेल्डिंग मशीन आएगी	Neutral

हरिभूमि

भोपाल भूमि फ्रंट पेज

भोपाल, मंगलवार 28 मार्च 2023

5

मेट्रो ट्रेन के लिए पटरी की खेप पहले ही पहुंच गई भोपाल

पटरी बिछाने के लिए एलएंडटी कंपनी का स्टाफ भोपाल पहुंचा, वैल्डिंग मशीन आएगी

एलएंडटी कंपनी का स्टाफ भोपाल पहुंच चुका है। इसकी बेल्डिंग मशीन एक दो दिन में पहुंचने वाली है, जल्द काम शुरू होगा।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मेट्रो ट्रेन के लिए पटरी की खेप भोपाल पहले ही पहुंच गई है। एलएंडटी कंपनी राजधानी में मेट्रो के लिए पटरियां बिछाएगी, कंपनी का स्टाफ भोपाल पहुंच चुका है। जबकि इसकी बेल्डिंग मशीन एक दो दिन में पहुंचने वाली है। इसे लेकर तैयारी शुरू हो गई है। मेट्रो के डिपो में पटरी सामान्य रेलवे के समान ही बिछाई जाएगी। राजधानी के लोगों को मेट्रो ट्रेन में सफर करने का अनुभव करवाने के लिए मेट्रो रेल कंपनी ट्रेन के डिस्प्ले की भी तैयारी कर रही है। जैसे ही अगले माह मेट्रो के कोच भोपाल आएंगे उन्हें डिस्प्ले के लिए रखा जाएगा, जिससे लोग इसे देख सकें।

एल्सटॉम ट्रांसपोर्ट इंडिया लिमिटेड में चल रहा है काम

एल्सटॉम ट्रांसपोर्ट इंडिया लिमिटेड को 6 जुलाई 2022 को 156 कोच के साथ सिग्नलिंग, ट्रेन कंट्रोल और टेलीकम्युनिकेशन सिस्टम के निर्माण के साथ ही कमिशनिंग और मेंटेनेंस का वर्क ऑर्डर दिया गया था। जिसके द्वारा भोपाल के लिए 81 और इंदौर के लिए 75 बोगियां बनाई जा रही हैं।

भोपाल के लिए 27 बोगी

बताया गया है कि एक ट्रेन में तीन बोगी के हिसाब से भोपाल के लिए 27 और इंदौर के लिए 25 मेट्रो ट्रेन आएंगी। भोपाल में चलने वाली मेट्रो को शुरुआत से पहले न केवल लोग देख सकेंगे बल्कि उसके अंदर प्रवेश भी कर सकेंगे। जिसके लिए ट्रेन के डिस्प्ले की तैयारी की जा रही है।

MPMETRO

METRO NEWS

31st March,2023

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
50	नई दुनिया	भोपाल	31.03.23	3	मेट्रो परिसर में पहुंते ही होगी अपराधियों की पहचान	Neutral

तकनीक चेहरा पहचान लेंगे फेशियल रिकग्निशन कैमरे, हिंसा, लूट व चोरी होने पर बजेगा अलार्म

मेट्रो परिसर में पहुंचते ही होगी अपराधियों की पहचान

विश्वास चतुर्वेदी ● भोपाल

यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए देश में पहली बार भोपाल-इंदौर मेट्रो में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इनेबल वीडियो एनालिटिक्स साफ्टवेयर का इस्तेमाल किया जाएगा। इससे स्टेशन में प्रवेश करते ही अपराधियों या गुमशुदा बच्चों की पहचान हो जाएगी। इसके लिए मेट्रो स्टेशन के प्रतीक्षालय, रिजर्वेशन काउंटर, पार्किंग एरिया, मुख्य प्रवेश, निकास द्वार, प्लेटफार्म, फुट ओवर ब्रिज, बुकिंग कार्यालय समेत मेट्रो कोच के अंदर एवं अन्य स्थानों पर चेहरा पहचानने के लिए फेशियल रिकग्निशन कैमरे लगाए जाएंगे। इससे मेट्रो स्टेशन व परिसर में हिंसा, लूट व चोरी की घटना रिकार्ड होते ही अलार्म बजेगा, इससे सुरक्षाकर्मी तुंरत मौके पर पहुंचेंगे।

मप्र मेट्रो कार्पोरेशन लिमिटेड के अधिकारियों ने बताया कि मेट्रो ट्रेन के कोच व स्टेशन के साथ अन्य स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। इनमें कैप्चर होने वाले वीडियो से संदिग्ध व्यक्ति का चेहरा मिलान कर वीडियो एनालिटिक्स सिस्टम के जरिए उसकी पहचान की जाएगी। इसके लिए आर्टिफिशियल इटेलीजेंस सिस्टम की मदद ली जाएगी। इसकी मदद से अपराधियों का डाटा तैयार किया जाएगा। जिसमें अपराधियों और गुमशुदा बच्चों के फोटो अपलोड किए जाएंगे। अपराधी जैसे ही कैमरे के संपर्क में आएगा, अलार्म बजना शुरू हो जाएगा। इस सिस्टम को मेट्रो के सेंट्रल सर्वर से जोड़ा जाएगा। लंबे समय तक वीडियो फुटेज संरक्षित रखे जा सकेंगे। इस सिस्टम के तहत चश्मा पहने हुए व्यक्ति की पहचान करना भी आसान होगा। ये सीसीटीवी लोगों को ट्रैक करने के लिए आसपास के अन्य कैमरों से फुटेज स्कैन कर सकते हैं। क्योंकि वे नेटवर्क के चारों ओर घूमते हैं। इसमें लोगों की पहचान और रिपोर्टिंग को सक्षम करने के लिए सिस्टम को पुलिस के अपराध डेटाबेस से भी जोड़ा जा सकता है।

मानव भावनाओं को समझकर कमांड सेंटर में भेजेंगे संदेश

यहां लगाए जाने वाले आर्टिफिशियल इटेलीजेंस आधारित कैमरे आमतौर पर मानव भावनाओं की पहचान करने और संभावित सुरक्षा जोखिमों को चिह्नित करने या संकटग्रस्त लोगों के बारे में सचेत करने में सक्षम होंगे।

भोपाल में 2024 से संचालन

भोपाल में 81 कार (डिब्बे) (3 कारों की 27 ट्रेन) तथा इंदौर में 75 कार (डिब्बे) (3 कारों की 25 ट्रेन) का निर्माण प्रस्तावित है। दोनों ही शहरों में मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार 31 दिसंबर 2023 से पहले प्रायोरिटी कारिडोर में मेट्रो का ट्रायल रन होना है। संचालन अप्रैल 2024 से शुरू होगा।

मप्र मेट्रो देश में चलने वाली मेट्रो ट्रेनों से बिल्कुल अलग होगी। इसमें कई एडवांस टेक्नोलाजी का इस्तेमाल किया गया है, जिससे शहरवासियों की यात्रा सुरक्षित और सुविधाजनक होगी।

– मनीष सिंह, एमडी मप्र मेट्रो

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
51	अमर उजाला	भोपाल	31.03.23	03	भोपाल में अगले माह आएगी मेट्रो डमी, ट्रैक का काम भी होगा शुरू	Neutral

अमर उजाला | भोपाल | amarujala.com | भोपाल | शुक्रवार, 31 मार्च 2023 | 3

भोपाल में अगले माह आएगी मेट्रो डमी, ट्रैक का काम भी होगा शुरू

अमर उजाला ब्यूरो

भोपाल। राजधानी में मेट्रो की सुविधा शुरू होने से पहले अप्रैल में एक मॉक-अप यानी डमी मेट्रो ट्रेन आएगी। इसमें एक कोच और इंजन होगा। इसमें बैठ कर जनता मेट्रो का अनुभव ले सकेगी। यह मॉक-अप ट्रेन मेट्रो बनाने वाली कंपनी एल्सटॉम बनाकर भेजेगी।

मॉक-अप को लाने का उद्देश्य लोगों को मेट्रो के प्रति जागरूक करना है। इसे देखकर लोग मेट्रो की सुविधाओं को समझ और जान सकेंगे। वहीं, रायपुर से ट्रैक और डिपो की पटरी की खेप भोपाल आना शुरू हो गई है। अप्रैल में ट्रैक पर पटरियां बिछाने का काम भी शुरू हो जाएगा। मेट्रो ट्रैक पर 1080 ग्रेड की पटरियां बिछाई जाएंगी।

सितंबर 2023 तक ट्रायल होगा पूरा

भोपाल और इंदौर मेट्रो का ट्रायल सितंबर 2023 से शुरू करने की योजना है। इसके बाद सेफ्टी कमिश्नर से अनुमति मिलते ही मेट्रो का शुभारंभ कर दिया जाएगा। भोपाल में सुभाष नगर से एम्स तक प्राथमिकता के आधार पर मेट्रो का संचालन शुरू करने की योजना है।

आठ साल पहले शुरू हुआ मेट्रो प्रोजेक्ट : भोपाल में मेट्रो प्रोजेक्ट आठ साल पहले 2014 में शुरू हुआ था। 2018 में हुए भूमि पूजन कार्यक्रम में प्रोजेक्ट को 2023 तक पूरा करने की समयसीमा तय की गई थी।

यहां बन रहे मेट्रो स्टेशन

भोपाल में एम्स से लेकर सुभाष नगर अंडरब्रिज तक आठ मेट्रो स्टेशन का निर्माण होगा। इसमें एम्स, अलकापुरी, डीआरएम ऑफिस, रानी कमलापति रेलवे स्टेशन, बोर्ड ऑफिस चौराहा, एमपी नगर जोन-2, केवी और सुभाष नगर स्टेशन बन रहे हैं।